PLANET NEWS INDIA Follow us on:/

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ़, बुधवार 07 अक्टूबर 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

Aligarh News: होमवर्क न करने का डर, स्कूल की जगह ट्रेन में बैठ गए दो सगे भाई

जीआरपी कर्मियों ने उन्हें देखा तो थाने ले आए। दोनों को विश्वास में लेकर घर की जानकारी जुटाई। उनके बैग में रखी किताबों से मां का मोबाइल नंबर मिला। संपर्क करने पर मां परिजनों के साथ थाने पहुंचीं। सत्यापन के बाद दोनों को उनके सुपुर्द कर दिया गया।

पढ़ाई में नहीं लगता मन :
पूछताछ में दोनों भाइयों ने बताया कि पढ़ाई में उनका मन नहीं लगता। सोमवार को मिला होमवर्क पूरा नहीं हो पाया था। दोनों भाई स्कूल जाना नहीं चाहते थे। इस कारण सुबह देर से उठे थे, लेकिन मां ने जबरन उन्हें स्कूल भेज दिया। उन्हें डर था कि स्कूल में शिक्षक डांटेंगे और घर वापस जाने पर मां नाराज होगी। यह सोचकर वह स्टेशन पहुंचे गए और वहां खड़ी ट्रेन में बैठ गए।

होमवर्क पूरा नहीं था और स्कूल में डांट का डर था। इसी डर में बुलंदशहर के थाना डिबाई क्षेत्र के दो सगे भाई मंगलवार को स्कूल जाने के बजाय रेलवे स्टेशन पहुंच गए। वहां से बरेली पैसेंजर ट्रेन में बैठकर अलीगढ़ आ गए।

अलीगढ़ जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर दो पर दोनों काफी देर तक भटकते रहे। बाद में रोने लगे। जीआरपी ने दोनों को थाने लाकर पूछताछ की। स्कूल बैग में रखी किताबों से मां का मोबाइल नंबर मिला। सूचना पर दोपहर में मां परिजनों के साथ अलीगढ़ आई। इसके बाद दोनों भाइयों को उनके सुपुर्द कर दिया गया।

जीआरपी प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार द्विवेदी ने बताया कि दोनों भाइयों की उम्र 10 और 12 वर्ष है। एक कक्षा तीन और दूसरा कक्षा चार में पढ़ता है। दोनों डिबाई थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। पूछताछ में उन्होंने बताया कि सोमवार को स्कूल से होमवर्क मिला था, जिसे वे पूरा नहीं कर सके।

जीआरपी प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार द्विवेदी ने बताया कि दोनों भाइयों की उम्र 10 और 12 वर्ष है। एक कक्षा तीन और दूसरा कक्षा चार में पढ़ता है। दोनों डिबाई थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। पूछताछ में उन्होंने बताया कि सोमवार को स्कूल से होमवर्क मिला था, जिसे वे पूरा नहीं कर सके।

मंगलवार सुबह मां ने स्कूल जाने के लिए कहा। होमवर्क पूरा न होने पर स्कूल में डांट के डर से दोनों ने स्कूल जाने के बजाय डिबाई रेलवे स्टेशन का रुख किया। दोनों भाई वहां से आ रही बरेली पैसेंजर ट्रेन में बैठ गए और अलीगढ़ आ गए। यहां काफी देर तक भटकने के बाद दोनों रोने लगे।

Aligarh News: कई इलाकों में रात भर गुल रही बिजली

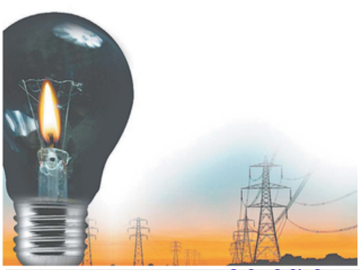

शहर के कई इलाकों में सोमवार रात बिजली बाधित रहने से लोग परेशान रहे। स्वर्ण जयंती नगर में सोमवार रात 33 केवी लाइन में ब्रेकडाउन होने से करीब तीन घंटे से अधिक समय तक बिजली आपूर्ति बाधित रही।

बिजली निगम के कर्मचारियों ने लाइन में खराबी तलाशने के लिए पेट्रोलिंग शुरू की। रात करीब ढाई बजे आपूर्ति बहाल हो सकी, जबकि मंगलवार सुबह भी स्वर्ण जयंती नगर और अवंतिका फेज-1 फीडर-2 इलाके में करीब दो घंटे तक, महेंद्र नगर के काली मंदिर क्षेत्र में भी करीब दो से ढाई घंटे तक एक फेस की बिजली नहीं आने की शिकायत सामने आई।

इसके अलावा भुजपुरा-कमेला रोड क्षेत्र में भी शाम को बिजली कटौती व आपूर्ति न होने की शिकायतें मिलीं। अधीक्षण अभियंता शहरी अंशुमान यादव ने बताया कि ब्रेक डाउन व फॉल्ट आने से कई इलाकों में बिजली आपूर्ति में व्यवधान आया था, जिसे टीमों को भेजकर दूर कराया गया।

Aligarh News: तुलसी रेजीडेंसी का पांचवा अवैध तल आज होगा ध्वस्त

दुबे का पड़ाव स्थित तुलसी रेजीडेंसी अपार्टमेंट में स्वीकृत मानचित्र के विपरीत किए गए निर्माण पर बुधवार को एडीए की ध्वस्तीकरण कार्रवाई होगी। इसके लिए प्राधिकरण ने टीम गठित करने के साथ अपार्टमेंट पर नोटिस भी चस्पा कर दिया है।

हाईकोर्ट में मामला पहुंचने और अवैध निर्माण हटाने के आदेश के बाद भी कार्रवाई न होने पर मामला अवमानना तक पहुंच गया है।एडीए के मुताबिक गांधीपार्क क्षेत्र के दुबे का पड़ाव पर करीब 800 वर्ग मीटर भूखंड पर तुलसी रेजीडेंसी का निर्माण वर्ष 2013-14 के आसपास कराया गया था। भवन के लिए भूतल और चार मंजिल तक का आवासीय मानचित्र स्वीकृत था।

आरोप है कि स्वीकृत मानचित्र की सीमा से आगे बढ़कर भवन की ऊपरी मंजिल पर अतिरिक्त निर्माण कराया गया। इसके अलावा पांचवें तल पर फ्लैट बनाए गए, जबकि बेसमेंट का निर्माण भी स्वीकृत मानचित्र के अनुरूप नहीं पाया गया।

प्राधिकरण के अनुसार मौके पर इससे अधिक निर्माण मिला। बाद में भवन स्वामी की ओर से अनधिकृत निर्माण को नियमित कराने के लिए शमन का आवेदन किया गया। एडीए ने शमन की कार्रवाई की, लेकिन इसमें कुछ हिस्से को ध्वस्त करने के लिए आदेशित किया गया था। आरोप है कि निर्धारित हिस्सा मौके से नहीं हटाया गया।

इसके बाद स्थानीय निवासी की ओर से एडीए में शिकायत की गई। कार्रवाई नहीं होने पर शिकायतकर्ता ने हाईकोर्ट का रुख किया। हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान अवैध निर्माण को ध्वस्त करने के निर्देश दिए। इसके बावजूद कार्रवाई लंबित रहने पर मामला अवमानना वाद तक पहुंच गया। अब एडीए को हाईकोर्ट में अपनी कार्रवाई के संबंध में जवाब दाखिल करना है। इसी के बाद प्राधिकरण ने ध्वस्तीकरण की तारीख निर्धारित की है।

नोडल अधिकारी की निगरानी में होगी कार्रवाई :
एडीए ने बुधवार सुबह 11 बजे से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई प्रस्तावित की है। जोनल अधिकारी राहुल कश्यप विश्वकर्मा को कार्रवाई का नोडल अधिकारी बनाया गया है। उनके साथ सहायक अभियंता, अवर अभियंता, सुपरवाइजर और अन्य प्राधिकरण कर्मचारी मौजूद रहेंगे। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मजिस्ट्रेट और पुलिस प्रशासन से समन्वय के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी कराने को कहा गया है, ताकि ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया का रिकॉर्ड भी सुरक्षित रहे। हाईकोर्ट में अवमानना मामले की सुनवाई से पहले एडीए अब कार्रवाई पूरी कर अपनी स्थिति स्पष्ट करने की तैयारी है।

हाईकोर्ट के आदेश पर एडीए तुलसी रेजीडेंसी में यह कार्रवाई कर रहा है। छह महीने से नोटिस आदि दिए गए इसके बाद भी अवैध निर्माण ध्वस्त नहीं किया गया है। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के बाद हाईकोर्ट को भी इससे अवगत कराया जाएगा।
- कुलदीप मीणा, उपाध्यक्ष, एडीए

Aligarh News: दिल्ली से फोन का इंतजार कर रहीं कुलपति

एएमयू में छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर बीते 16 दिन से छात्र यासिर फहद भूख हड़ताल पर बैठे हैं। हैरत की बात ये है कि वीसी लॉज से महज तीन सौ मीटर दूर डक पॉन्ड पर बैठे यासिर से कुलपति मिलने तक नहीं गईं। वहीं, छात्रसंघ चुनाव की तारीख भी घोषित नहीं की जा रही है। सवाल ये उठ रहा है कि क्या कुलपति प्रो. नईमा खातून दिल्ली से फोन आने इंतजार कर रहीं हैं।

पिछले दिनों डक पॉन्ड पर पहुंचे पूर्व छात्र हमजा मसूद भी चुनाव न होने को लेकर सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने कहा था कि यह एएमयू न होकर आरएसएस का मुख्यालय हो गया है, इसलिए चुनाव की तारीख घोषित नहीं की जा रही है।

बोलना बंद... 10 किलो वजन कम
यासिर फहद की सेहत लगातार गिरती जा रही है। उन्होंने बोलना बंद कर दिया है, जबकि 10 किलो वजन भी कम हो गया है।
मंगलवार को उनकी हालत इतनी कमजोर नजर आई कि साथियों ने उन्हें आवाज देकर बात करने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने सिर्फ आंखें खोलीं और कोई जवाब नहीं दिया। छात्रों का कहना है कि वह काफी देर तक बोलने की स्थिति में नहीं रहे। उन्हें करवट बदलने में भी परेशानी हो रही है।

कई बार उनकी हालत ऐसी हुई कि वह बेहोशी जैसी स्थिति में पहुंच गए। लगातार बिगड़ती हालत को देखते हुए अगले 24 घंटे बेहद महत्वपूर्ण हैं। जरूरत पड़ने पर उन्हें जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने की नौबत आ सकती है। भूख हड़ताल के दौरान उनका करीब 10 किलो वजन कम होने का दावा किया जा रहा है। 21 सितंबर को यासिर का वजन 67 किलो था। जो अब 57 किलो है।

उर्दू विभाग के गेट पर छात्रों ने जड़ा ताला
छात्र यासिर फहद के समर्थन में मंगलवार को उर्दू विभाग के छात्र-छात्राओं ने मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया। छात्रों ने गेट पर कक्षाओं के बहिष्कार का नोटिस चस्पा कर पढ़ाई का बहिष्कार किया। मुख्य गेट बंद होने से शिक्षकों को पीछे के दरवाजे से विभाग में प्रवेश करना पड़ा।

कुलपति खुद छात्रों के बीच जाएं : प्रो. राशिद
आईसीईएससीओ गुडविल एबेंसडर प्रो. राशिद साज ने एएमयू छात्र संघ चुनाव समेत विभिन्न मांगों को लेकर चल रही भूख हड़ताल को लेकर कुलपति प्रो. नईमा खातून से गतिरोध खत्म कराने की अपील की है। कुलपति को लिखे पत्र में कहा गया कि छात्र यासिर फहद की सेहत लगातार प्रभावित हो रही है। हाल में छात्रों के प्रतिनिधिमंडल ने भी कुलपति से मुलाकात की थी, लेकिन छात्रों की समस्या के अनुसार अब तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया है। लगातार बने गतिरोध पर चिंता जताते हुए शिक्षक ने कहा कि पहल विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से होनी चाहिए, क्योंकि उसके पास छात्रों की तुलना में अधिक विकल्प और जिम्मेदारी है।

छात्र आंदोलन को मिला जेएनयू छात्रसंघ का समर्थन
जेएनयू छात्रसंघ की संयुक्त सचिव दानिश अली ने एएमयू के छात्र आंदोलन को जेएनयू छात्रसंघ का समर्थन मिला है। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ चुनाव होना चाहिए, क्यों कि यह विद्यार्थियों का अधिकार है। पिछले आठ साल से चुनाव नहीं हो रहा है, जो यूनिवर्सिटी प्रशासन की हठधर्मिता को दर्शाता है। प्रॉक्टर का भी इस्तीफा होना चाहिए। यूनिवर्सिटी प्रशासन चुनाव न कराने के लिए सारे हथकंडे अपना रहा है।

Aligarh News: स्क्रीन से मंच तक...जेन-जी में बढ़ा रामलीला का आकर्षण

समय बदला, तकनीक बदली और मनोरंजन के तौर-तरीके भी बदले, लेकिन रामलीला के प्रति युवाओं का आकर्षण आज भी कायम है। रामलीला देखने पहुंचे युवा न सिर्फ मंचन का आनंद लेते नजर नहीं आए, बल्कि पात्रों और प्रसंगों से जुड़ी जानकारी भी सोशल मीडिया पर साझा करते दिखे।

युवाओं का कहना था कि पहले पौराणिक कथाओं से जुड़ी जानकारी जुटाने में काफी समय लगता था, लेकिन अब सोशल मीडिया के माध्यम से किसी भी पात्र या प्रसंग के बारे में तुरंत जानकारी मिल जाती है। युवाओं के मुताबिक रामलीला के पात्रों और उनसे जुड़े रोचक प्रसंगों को जानना उन्हें पसंद है। इससे न केवल उनकी रुचि बढ़ती है, बल्कि किसी चर्चा या मंच पर वे अपनी बात तथ्यों के साथ रखने में भी सक्षम होते हैं।

बोले जेन जी दर्शक ...
रामलीला देखना मुझे बचपन से पसंद है। इस बार भी दोस्तों के साथ यहां आई हूं। मंचन के साथ रामायण के पात्रों और प्रसंगों के बारे में जानने की कोशिश करती हूं। किसी बात की जानकारी न हो तो मोबाइल पर तुरंत देख लेती हूं।
- दिव्या शर्मा, दुबे के पड़ाव

रामलीला में सिर्फ मनोरंजन नहीं, बहुत कुछ सीखने को भी मिलता है। अलग-अलग पात्रों की अपनी कहानी और महत्व है। सोशल मीडिया पर इनके बारे में रोचक जानकारी मिल जाती है, इसलिए रामलीला देखने के बाद उससे जुड़ी चीजें पढ़ना अच्छा लगता है।
- परी, कोयला वाली गली

आजकल मोबाइल और सोशल मीडिया के दौर में भी रामलीला देखने का अपना अलग मजा है। मंच पर पात्रों को देखकर उनसे जुड़ी कहानी जानने की उत्सुकता होती है। कई बार ऐसी बातें पता चलती हैं, जो पहले मालूम नहीं थीं।
लक्ष्मी, नौरंगाबाद

रामलीला की कहानियां हमें अपनी संस्कृति और परंपरा से जोड़ती हैं। मुझे खासतौर पर अलग-अलग पात्रों के बारे में जानना अच्छा लगता है। अगर किसी प्रसंग को लेकर मन में सवाल आता है, तो मोबाइल से तुरंत उसकी जानकारी मिल जाती है।
- वैष्णवी, धोबी वाली गली

पत्नी और उसके प्रेमी पर बरसाईं गोलियां:

फिरोजाबाद में पति ने महिला को आशिक संग शराब पीते पकड़ा; दोनों गंभीर

मंगलवार रात पति ऋषभ तेलंग ने पत्नी शिप्रा और प्रेमी सनी को दुकान में शराब पीते देखा। उसने लाइसेंसी रिवॉल्वर से उन पर गोलियां चलाईं। दोनों घायल हुए, आगरा रेफर किए गए। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार किया। फिरोजाबाद शहर के अति व्यस्ततम कोटला चुंगी चौराहे पर मंगलवार रात एक पति ने अपनी पत्नी और उसके प्रेमी को एक साथ दुकान में बैठकर शराब पीते देख ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। हमले में प्रेमी और महिला के गोलियां लगीं। दोनों को ट्रामा सेंटर से प्राथमिक उपचार के बाद आगरा रेफर कर दिया गया। आरोपी पति को पुलिस ने देर रात गिरफ्तार कर लिया।कोटला चुंगी चौराहा स्थित शिवा इंटरनेट सर्विस के संचालक जितेंद्र उर्फ सनी उर्फ शिवा ठाकुर निवासी श्रीराम कॉलोनी, मथुरा नगर का टापा खुर्द चौराहा स्थित पीके इंटर कॉलेज के संचालक ऋषभ तेलंग की पत्नी शिप्रा तेलंग से प्रेम प्रसंग चल रहा था। मंगलवार रात शिप्रा अपने प्रेमी सनी की दुकान पर पहुंची, जहां दोनों बैठकर शरीब पी रहे थे।इसकी भनक लगते ही ऋषभ तेलंग गुस्से में तमतमाता हुआ दुकान पर जा पहुंचा। पत्नी को प्रेमी संग शराब पीते देख आपा खो बैठा और अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। हमले में सनी के सीने में दो और शिप्रा के पेट, कमर व पसली पर पांच गोलियां लगीं। वारदात के बाद आरोपी मौके पर ही रिवॉल्वर छोड़कर भाग निकला, जिसे देर रात गिरफ्तार कर लिया गया । **हुई वारदात से मची भगदड़**

सरेराह हुई इस वारदात से बाजार में भगदड़ मच गई। सूचना पर सीओ सिटी संतोष कुमार सिंह, थाना उत्तर इंस्पेक्टर रवि त्यागी व थाना रामगढ़ इंस्पेक्टर संजीव दुबे पुलिस बल और फॉरेंसिक टीम के साथ पहुंचे। पुलिस ने घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया और घटनास्थल से रिवॉल्वर, कारतूस तथा साक्ष्य कब्जे में लिए। दुकान के भीतर महिला और युवक पर महिला के पति द्वारा लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोलियां चलाने की बात सामने आई है। दोनों घायलों का इलाज चल रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। - **रविशंकर प्रसाद, एसपी सिटी**

तीन साल बाद बिना तिथि विवाद के दिवाली:

ग्रह-नक्षत्रों की चाल ऐसी कि सुबह से रात तक अमावस्या; ये है शुभ मुहूर्त

इस साल तीन साल बाद बिना तिथि विवाद के दीवाली होगी। ग्रह-नक्षत्रों की चाल ऐसी कि सुबह से रात तक अमावस्या है। बीएचयू के ज्योतिषाचार्यों ने कहा कि हर बार सूर्यास्त के आसपास अमावस्या लगती थी, तभी भ्रम होता था। सुबह 10:50 बजे से ही दिवाली मनाने का मुहूर्त है, उससे पहले हनुमान जयंती होगी।

तीन साल में पहली बार पर दिवाली की तिथि को लेकर उत्तर से दक्षिण तक कोई विवाद नहीं उठा। ग्रह-नक्षत्रों की चाल और काशी से उठे पंचांगों की एकरूपता अभियान के चलते ऐसा संभव हो पाया है। पिछले तीन साल में काशी विद्वत परिषद और बीएचयू के ज्योतिष विभाग की ओर से भारत भर के 100 से ज्यादा पंचांगों का अध्ययन और अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन कर उन्हें एकमत किया गया। सत्र 2026-27 के पंचांगों की एकरूपता में आने से एक तिथि और एक पर्व की धारणा सामने आई। एकरूपता कार्य के समन्वयक रहे बीएचयू के ज्योतिष विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. विनय कुमार पांडेय ने बताया कि इस बार ग्रह-नक्षत्रों का मान ही है ऐसा है कि दिवाली को लेकर तिथि विवाद नहीं है। हर बार अमावस्या सूर्यास्त के आसपास शुरू होकर अगले दिन सूर्यास्त तक होती थी। इसके कारण तिथि को लेकर कुछ लोगों की ओर से शास्त्रीय वचनों का ठीक से व्याख्या न करने के चलते भ्रम की स्थिति बन जाती थी। इस बार स्थितियां अलग हैं। अमावस्या एक ही दिन आठ नवंबर की अर्द्धरात्रि और प्रदोष काल में रहेगी इसलिए इस साल एक ही दिन दिवाली मनाई जानी है। सूर्यास्त से लेकर दो घंटे 24 मिनट तक प्रदोष काल होगा। इसी में लक्ष्मी पूजन का विशेष महत्व है। व्रत रहकर लक्ष्मी पूजन करने बहुत लाभकारी होता है और प्रदोष काल में भोजन किया जा सकता है। इसी अमावस्या पर पितरों का श्राद्ध करने का भी विधान है। हाथ में दीपक लेकर दक्षिण की ओर अपने पितरों को दिखाना चाहिए।पंचांग एकरूपता टीम के सदस्य रहे डॉ. सुभाष पांडेय के अनुसार, शुद्ध पंचांग गणना में तिथि को लेकर कोई भ्रम नहीं होता, लेकिन गणना और आकलन सटीक होना चाहिए। इस बार प्राकृतिक तौर पर भ्रम जैसी स्थिति नहीं बनी। **आठ नवंबर की सुबह से दिवाली का मुहूर्त**

श्री काशी विश्वनाथ न्यास के पूर्व अध्यक्ष प्रो. नागेंद्र पांडेय के अनुसार, अमावस्या आठ नवंबर को सुबह 10:50 बजे से लग जाएगी। तभी से दिवाली का मुहूर्त शुरू हो जाएगा। उससे पहले हनुमान जयंती होगी। इस दिन रात 12 बजे तक दिवाली मनाने के लिए 13 घंटे 10 मिनट का मुहूर्त मिलेगा। वहीं सूर्यास्त के बाद दो घंटे 24 मिनट का प्रदोष काल में मां लक्ष्मी की पूजा कर दीया जलाने का सबसे शुभ समय होगा। इस रात पितरों के श्राद्ध भी करने की परंपरा भी रही है।

विशाखा नक्षत्र की अर्द्धरात्रि में महानिशा

प्रो. नागेंद्र पांडेय ने काशी के ऋषिकेष और महावीर पंचांग से गणना कर बताया कि विशाखा नक्षत्र की अर्द्धरात्रि में महानिशा होगी। लक्ष्मी-गणेश और कुबेर की पूजा एक ही दिन होगी। वहीं सुबह 10:50 के पहले चतुर्दशी में हनुमान जयंती मनाई जाएगी। उसके बाद नहीं मनाया जा सकता।

मेरठ सर्पदंश हत्याकांड: टूट गई थी गले की हड्डी, पत्नी और उसके प्रेमी की पोस्टमार्टम में खुली थी पोल; फैसला आज

मेरठ के सर्पदंश हत्याकांड में आज अदालत फैसला सुनाएगी। अमित कश्यप की हत्या उसकी पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर 12 अप्रैल 2025 की रात में हत्या की थी। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ था कि आरोपियों ने अमित की हत्या कर सर्पदंश से मौत की साजिश रची थी। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर ने गवाही दी था कि गला दबाने से अमित की मौत हुई थी।

मेरठ के बहसूमा के अकबरपुर सादात में अमित कश्यप उर्फ मिक्की की हत्या के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश जयवीर सिंह नागर की अदालत में बुधवार को फैसला सुनाया जाएगा। पुलिस ने इस मामले में अमित की पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। शव के पोस्टमार्टम से खुलासा हुआ था कि अमित की मौत गला, नाक और मुंह दबाने से दम घुटने के कारण हुई थी। जबकि दोनों आरोपियों ने हत्या के बाद अमित के बिस्तर पर सांप छोड़कर सर्पदंश से मौत दर्शाने की साजिश रची थी। अकबरपुर सादात गांव में अमित कश्यप (25) का शव 13 अप्रैल 2025 की सुबह उसके बिस्तर पर पड़ा मिला था। शव के नीचे एक जिंदा घोड़ा पछाड़ सांप दबा हुआ था। अमित के शरीर पर सांप के डसने के 10 निशान थे। उसकी पत्नी रविता ने दावा किया था कि अमित की मौत सर्पदंश से हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला कि अमित की मौत दम घुटने से हुई है। इससे पुलिस को गला दबाकर हत्या का अंदेशा हुआ। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अमित के भाई मोनू कश्यप ने रविता और अमरदीप के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच के बाद 26 जून 2025 को अमरदीप और रविता के खिलाफ कोर्ट में आरोप-पत्र दाखिल किया था। सांप उपलब्ध कराने वाले सपेरे को पुलिस ने गवाह बना लिया था। उन्होंने गवाही दी थी कि अमरदीप ने उनसे एक हजार रुपये में जागरण के लिए सांप खरीदा था। **गला दबाने से टूट गई थी गले की हड्डी**

वादी के वकील बलराज सिंह ने बताया कि डॉ. कपिल गर्ग ने कोर्ट में गवाही दी कि अमित के शव का पोस्टमार्टम 13 अप्रैल 2025 को शाम 05:45 बजे शुरू होकर 06:30 बजे समाप्त हुआ था। उसके चेहरे पर ऑक्सीजन की कमी के कारण हल्का नीलापन था। दोनों आंखें बंद व कंजस्टेड थीं और हाथों के नाखून नीले पड़े थे।चेहरे व नाक की बायीं ओर खरोंच व रगड़ के निशान थे। निचले होंठ और दोनों एड़ियों पर खरोंचों के निशान थे। गर्दन के दाहिने हिस्से पर चोट के निशान थे। गर्दन की त्वचा खोलने पर नीचे सूजन और खून के थक्के पाए गए।थायरॉइड कार्टिलेज के दोनों सुपीरियर कॉर्न और हॉयोइड कॉर्न टूटी हुई थीं। चोट के कारण ही मृतक की गर्दन एक तरफ झुकी हुई थी। मौत का कारण गला दबाने व नाक-मुंह दबाने के कारण दम घुटना था।डॉक्टर ने स्पष्ट किया कि जब कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति का जबरदस्ती गला घोंटता है तभी (हॉयोइड व थायरॉइड) हड्डी टूटती है। चोटों से पता चलता है कि अमित ने मौत से पूर्व संघर्ष किया था। **यह था पूरा मामला**

मेरठ जिले के बहसूमा पुलिस ने अकबरपुर सादात के अमित कश्यप उर्फ मक्की की हत्या 13 अप्रैल 2025 को हुई थी। प्रेम संबंध में बाधक बनने पर पत्नी रविता ने अपने प्रेमी अमरदीप के साथ मिल कर पति अमित की हत्या की थी। रविता ने अमित के हाथ पकड़े और मुंह दबाया, अमरदीप ने उसका गला दबाया था। हत्या को हादसा दर्शाने के लिए अमित की कमर के नीचे सांप रख दिया था। **चारपाई पर मृत मिला था अमित|** बहसूमा थाना क्षेत्र के गांव अबकरपुर निवासी अमित कश्यप उर्फ मक्की पुत्र विजयपाल रविवार 13 अप्रैल को मृत अवस्था में उसके परिजनों को चारपाई पर मिला था। उसके पास जिंदा सांप बैठा हुआ था, जिसको सांप के काटने के शक में परिजन प्यारेलाल शर्मा जिला अस्पताल में लेकर आए थे। जहां पर चिकित्सकों ने अमित को मृत घोषित किया था। **अमरदीप ने सपेरे निखिल से खरीदा था सांप|**अमरदीप ने अमित की हत्या को सांप से डसने की दर्शाने के लिए महमूदपुर सिखेड़ा निवासी निखिल से एक हजार रुपये में सांप खरीद घटना को बदलने की कोशिश की थी। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दम घुटने से हुई मौत की पुष्टि के बाद हत्या का खुलासा हो गया। गिरफ्तार किए गए अमरदीप ने निखिल से सांप खरीदने की बात मीडिया को बताई थी। **आठ साल पूर्व हुई थी अमित की शादी**

अकबरपुर सादात निवासी अमित कश्यप उर्फ मिक्की का विवाह आठ साल पूर्व मुजफ्फरनगर जनपद के सैदपुर गांव निवासी रविता से हुआ था। रविता दो बहन व एक भाई हैं। उसकी दूसरी सौतेली मां से भी दो भाई हैं।

यूपी: बारिश और तेज हवाओं से बदला प्रदेश का मौसम,

इन 64 जिलों में आज के लिए जारी हुई चेतावनी; लुढ़का पारा

Weather in UP: यूपी में चक्रवात की वजह से एक बार फिर बारिश और तेज हवाएं प्रदेश मं चल रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार इसका सीधा असर पारे पर पड़ेगा।उत्तर प्रदेश में मंगलवार को मौसम का मिजाज बदल गया। तराई और पूर्वांचल के कई जिलों में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलीं और कहीं मध्यम तो कहीं भारी बारिश हुई। बारिश और तेज हवाओं के चलते दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक 85 मिलीमीटर बारिश अंबेडकरनगर में हुई।मंगलवार को अंबेडकरनगर में 85 मिमी, जौनपुर में 84, लखीमपुर खीरी में 62, बहराइच में 59 और गोंडा में 40 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। कई जिलों में तेज झोंकेदार हवाएं भी चलीं। वाराणसी में हवा की अधिकतम गति 80 किलोमीटर प्रति घंटा रही। मिर्जापुर में 52 और गोरखपुर में 42 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। बुधवार के लिए मौमस विभाग की ओर से प्रदेश के 64 जिलों में गरज चमक की चेतावनी जारी की गई है। **पश्चिमी यूपी में बढ़ेगा बारिश का असर|** मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को बदले मौसम का असर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अधिक देखने को मिलेगा। वहीं पश्चिमी तराई के कुछ जिलों में ओलावृष्टि की भी संभावना है।क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश से एक ट्रफ लाइन गुजर रही है। इसके साथ सक्रिय हो रहे पश्चिमी विक्षोभ के संयोग से मौसम में बदलाव आया है। इन मौसमी परिस्थितियों के कारण बादल सक्रिय हुए और प्रदेश के कई हिस्सों में गरज-चमक व बारिश के साथ तेज हवाएं चल रही हैं। **राजधानी में बदलेगा मौसम, तेज हवाओं संग बूंदाबांदी के आसार**

राजधानी के मौसम में बुधवार से बदलाव के आसार हैं। नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी हो सकती है। बारिश होने पर अगले अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आने की संभावना है। मौसम में यह नरमी अगले दो दिनों तक बनी रह सकती है। मंगलवार को पुरवा हवाओं के चलते धूप की तल्खी कुछ कम रही। इससे दिन और रात के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश से एक ट्रफ लाइन गुजर रही है। वातावरण में नमी, दिन की गर्मी और सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम बदलने के संकेत हैं।मंगलवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 2.4 डिग्री गिरकर 33 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान में भी 2.3 डिग्री की गिरावट दर्ज हुई और यह 22.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

प्रशासनिक जीवन के 25 साल पूरे: प्रधानमंत्री मोदी बोले
देश ने मुझे बहुत कुछ दिया; जनता जनार्दन का बड़ा योगदान

पीएम मोदी ने कहा कि उनके जीवन में जनता का सबसे बड़ा योगदान है। उन्होंने 140 करोड़ भारतीयों के लिए प्रार्थना करते हुए कहा कि उन्हें देश की सेवा के लिए और अधिक ऊर्जा और शक्ति मिले, ताकि वह दिन-रात देशवासियों की सेवा कर सकें। पीएम मोदी ने आज सार्वजनिक जीवन में 25 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर दिल्ली के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जहां प्रधानमंत्री देश के कार्यकर्ताओं को वर्चुअली संबोधित कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि सात अक्तूबर 2001 को जब उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी, तब उन्होंने नहीं सोचा था कि एक दिन सार्वजनिक जीवन में यह पड़ाव भी आएगा। पीएम मोदी ने कहा कि आज उन्हें सरकार के प्रमुख के तौर पर सेवा करते हुए 25 साल पूरे हो गए हैं। उन्होंने इसे जनता के लगातार मिल रहे आशीर्वाद का परिणाम बताया। साथ ही भाजपा, एनडीए और लोकतंत्र में आस्था रखने वाले लोगों का आभार जताया।

पीएम मोदी बोले- आज मैं जो कुछ भी हूं, उसमें सबसे बड़ा योगदान जनता का

पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने 140 करोड़ भारतवासियों के लिए प्रार्थना की है। उन्होंने कहा कि उनकी प्रार्थना है कि परमात्मा उन्हें इतनी शक्ति दें कि वे देश के लिए और अधिक ऊर्जा के साथ काम कर सकें और दिन-रात देशवासियों समेत सभी लोगों की सेवा कर सकें। पीएम मोदी ने कहा कि आज वह जो कुछ भी हैं, उसमें सबसे बड़ा योगदान जनता जनार्दन का है।

पीएम बोले- जनता का विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी शक्ति रही

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जनता जनार्दन उनके लिए ईश्वर का ही स्वरूप है। उन्होंने कहा, "लाखों करोड़ लोगों का विश्वास ही मेरी शक्ति रही है। देश ने मुझे बहुत कुछ दिया है। इसलिए देश ही मेरे लिए सबकुछ है। देश के नागरिकों का ही मेरे ऊपर सबसे बड़ा हक है।

मोदी ने कहा- आज भी खुद को विद्यार्थी मानता हूं

मोदी ने कहा कि 25 साल का जनविश्वास और 25 साल का अनुभव बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि यह पूंजी देश की है और मां भारती की हर संतान इसकी अधिकारी है। मोदी ने अपने स्कूल के दिनों को याद करते हुए कहा कि सीखने की ललक उनके जीवन का हिस्सा बन गई और वह आज भी खुद को एक विद्यार्थी मानते हैं।

मोदी बोले- विरोध ने लोकतंत्र की शक्ति समझाई

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने ईश्वर से हमेशा यही मांगा कि उनका सीखना कभी कम न हो। उन्होंने कहा कि पीछे मुड़कर देखने पर कृतज्ञता का भाव आता है। हर घटना ने उन्हें कुछ न कुछ सिखाया। जिसने उन्हें गिराया, उसने खड़ा होना सिखाया और जिसने विरोध किया, उसने लोकतंत्र की शक्ति समझाई। उन्होंने कहा कि हर संकट उनके धैर्य की परीक्षा रहा, जबकि हर सिद्धि ने बड़े लक्ष्यों की ओर बढ़ने का सामर्थ्य दिया।

कार्यक्रम से पहले पीएम मोदी ने दिल्ली के श्री विनायक मंदिर में पूजा-अर्चना की। वहीं, प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर शुरू किए गए 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित 'वाराणसी से वडनगर सेवा यात्रा' का समापन भी आज सात अक्तूबर को उनके गृहनगर वडनगर में होगा। इसका मुख्य कार्यक्रम शाम चार बजे आयोजित किया जाएगा।

एसआईआर पर घमासान: मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्षी सांसदों को लंच पर बुलाया,
सीईसी से मिलने के लिए लिखेंगे चिट्ठी

इंडिया ब्लॉक के चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्षी सांसदों की बैठक बुलाई है। बैठक में सांसद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात का समय मांगने वाली चिट्ठी पर हस्ताक्षर करेंगे। इससे पहले विपक्ष ने एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए मार्च और प्रदर्शन किया था, जबकि आयोग का कहना है कि 6 अक्टूबर को शाम 4 बजे तक किसी राजनीतिक दल ने औपचारिक रूप से मुलाकात का समय नहीं मांगा था।

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को राजधानी में दोपहर 1 बजे विपक्षी सांसदों को लंच बैठक के लिए बुलाया है। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में सांसद मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार से मिलने का समय मांगने वाली चिट्ठी पर हस्ताक्षर करेंगे।

चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष का दबाव जारी

यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब 6 अक्टूबर को इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध मार्च निकाला था। विपक्षी नेता निर्वाचन सदन की ओर बढ़े, लेकिन पुलिस ने उन्हें बैरिकेड लगाकर रोक दिया। इससे पहले कांग्रेस ने एक आधिकारिक पोस्ट में कहा था, "संविधान और लोकतंत्र सर्वोपरि हैं। जब तक संविधान और लोकतंत्र को हर जनविरोधी और राष्ट्रविरोधी ताकत से पूरी तरह सुरक्षित नहीं कर लिया जाता, तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग से जवाब मांग रहा इंडिया ब्लॉक

इंडिया ब्लॉक के नेता चुनाव आयोग से एसआईआर को लेकर लगातार जवाब मांग रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि चुनाव आयोग उसकी चिंताओं का संतोषजनक जवाब नहीं दे रहा है और उसकी आपत्तियों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। विपक्ष का यह प्रदर्शन उसके बड़े 'सेव डेमोक्रेसी' अभियान का हिस्सा था। इंडिया ब्लॉक में शामिल कई दलों के नेता निर्वाचन सदन की ओर मार्च करते हुए पहुंचे, लेकिन उन्हें बैरिकेड लगाकर आगे बढ़ने से रोक दिया गया।

अब खरगे की बैठक से आगे की रणनीति पर नजर

अब मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से बुलाई गई लंच बैठक को विपक्ष की अगली रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। सांसदों के सीईसी से मिलने के लिए चिट्ठी पर हस्ताक्षर करने के बाद चुनाव आयोग से औपचारिक मुलाकात की मांग और तेज होने की संभावना है।

'करीब 300 सांसद चुनाव आयुक्तों से मिलना चाहते थे'

मार्च रोके जाने के बाद विपक्षी नेताओं ने आकाशवाणी भवन के पास धरना दिया। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि करीब 300 विपक्षी सांसद चुनाव आयुक्तों से मिलना चाहते थे और अपनी चिंताओं से जुड़ा ज्ञापन उन्हें सौंपना चाहते थे। इसके बाद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा समेत विपक्ष के कई नेताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

'शाम 4 बजे तक किसी ने नहीं मांगा था समय'

विरोध प्रदर्शन के बाद चुनाव आयोग ने अपनी तरफ से सफाई दी। आयोग ने कहा कि शाम 4 बजे तक किसी भी राजनीतिक दल ने चुनाव आयोग से मुलाकात के लिए आधिकारिक तौर पर समय नहीं मांगा था। चुनाव आयोग ने अपने बयान में कहा कि शाम करीब 4 बजे दिल्ली पुलिस ने उसे जानकारी दी कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में करीब 240 सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयुक्तों से मिलना चाहता है और संसद भवन एनेक्सी में उन्हें ज्ञापन सौंपना चाहता है।

'मिलने का तरीका और जगह तय प्रोटोकॉल से अलग'

चुनाव आयोग ने कहा कि उसने सांसदों के प्रस्तावित मिलने की जगह और जिस तरीके से मुलाकात की मांग की गई, उसे अपने तय प्रोटोकॉल के लिहाज से 'असामान्य' माना। आयोग के मुताबिक, राजनीतिक दलों और प्रतिनिधिमंडलों के साथ बैठक के लिए एक स्थापित प्रक्रिया है।

आयोग ने ज्ञापन लेने के लिए वरिष्ठ अधिकारी भेजने का प्रस्ताव दिया

ईसीआई ने बताया कि बाद में उसने विपक्षी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल से ज्ञापन लेने के लिए अपने सबसे वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी को मौके पर भेजने पर विचार किया था। हालांकि, आयोग के मुताबिक, विपक्षी सांसदों ने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया।

महाराष्ट्र में 'अर्बन माओवादी' का जाल
सरकार ने हाईकोर्ट में बताया क्यों लाया गया खास कानून? गिनाए 64 संगठन

महाराष्ट्र सरकार ने बॉम्बे हाईकोर्ट में MSPSA कानून का बचाव करते हुए कहा है कि राज्य "अर्बन माओवादी" गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बन गया है और यहां 64 सक्रिय फ्रंटल संगठन हैं, जो देश में सबसे ज्यादा हैं। सरकार के मुताबिक, इन्हीं गतिविधियों से निपटने के लिए यह कानून जरूरी है।

महाराष्ट्र सरकार ने बॉम्बे हाईकोर्ट में कहा है कि राज्य अब 'अर्बन माओवादी' गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बन गया है। सरकार के मुताबिक, महाराष्ट्र में ऐसे 64 सक्रिय फ्रंटल संगठन काम कर रहे हैं, जो देश में सबसे ज्यादा हैं। इसी बढ़ती गतिविधि से निपटने के लिए महाराष्ट्र विशेष जन सुरक्षा कानून लाया गया है।

'कानून की जरूरत इसलिए पड़ी'

राज्य सरकार ने मंगलवार को बॉम्बे हाईकोर्ट में दाखिल हलफनामे में कहा कि महाराष्ट्र विशेष जन सुरक्षा कानून का मकसद गैरकानूनी, विध्वंसक और उग्रवादी गतिविधियों को रोकने और उनसे निपटने के लिए एक मजबूत कानूनी व्यवस्था तैयार करना है। यह हलफनामा MSPSA की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं के जवाब में दाखिल किया गया है।

'अर्बन माओवादी' नेटवर्क का बढ़ता दायरा चिंता का विषय

सरकार ने अपने हलफनामे में कहा कि राज्य में "अर्बन माओवादी" नेटवर्क की मौजूदगी लगातार बढ़ रही है। उसके मुताबिक, गैरकानूनी और विध्वंसक गतिविधियों से निपटने के लिए एक विशेष कानूनी ढांचे की जरूरत महसूस हुई। सरकार ने दावा किया कि महाराष्ट्र "अर्बन माओवादी गतिविधियों का फोकल प्वाइंट" यानी प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है।

देश में सबसे ज्यादा 64 फ्रंटल संगठन होने का दावा

सरकार ने गृह मंत्रालय से जुटाए गए आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि महाराष्ट्र में 64 सक्रिय फ्रंटल संगठन काम कर रहे हैं। सरकार के मुताबिक, यह संख्या देश के किसी भी राज्य में सबसे ज्यादा है। इसी आधार पर राज्य सरकार ने कहा कि हालात से निपटने के लिए विशेष कानून जरूरी है।

'आजादी और सुरक्षा के बीच संतुलन जरूरी'

हलफनामे में सरकार ने कहा कि इस कानून का उद्देश्य मौलिक अधिकारों और राज्य की उस जिम्मेदारी के बीच संतुलन कायम करना है, जिसके तहत उसे सार्वजनिक व्यवस्था और देश की अखंडता की रक्षा करनी होती है। सरकार का कहना है कि कानून इसी संतुलन को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

कांग्रेस, CPI और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने दी चुनौती

महाराष्ट्र विशेष जन सुरक्षा कानून को चुनौती देने वाली याचिकाएं कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (CPI) और कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने दायर की हैं। याचिकाकर्ताओं ने कानून के प्रावधानों और सरकार को दिए गए अधिकारों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। मुख्य न्यायाधीश एम. सी. त्रिपाठी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ ने मंगलवार को याचिकाकर्ताओं को सरकार के हलफनामे पर अपना जवाब यानी rejoinder दाखिल करने के लिए समय दे दिया। अब याचिकाकर्ता सरकार के दावों और कानून के पक्ष में दिए गए तर्कों का जवाब रखेंगे।

'याचिकाकर्ताओं को सीधा कानूनी नुकसान नहीं हुआ'

राज्य सरकार ने हाईकोर्ट से सभी याचिकाओं को खारिज करने की मांग की है। सरकार का तर्क है कि याचिकाकर्ताओं को इस कानून से कोई सीधा कानूनी नुकसान नहीं हुआ है। इसी आधार पर सरकार ने उनकी याचिकाओं की स्वीकार्यता पर भी सवाल उठाया है।

पिछले साल विधानसभा से पास हुआ था कानून

MSPSA को राज्य विधानसभा ने पिछले साल जुलाई में पारित किया था। इसके बाद दिसंबर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस कानून को मंजूरी दी। इस कानून का उद्देश्य वामपंथी उग्रवादी संगठनों या उनसे मिलते-जुलते संगठनों की कुछ गैरकानूनी गतिविधियों को प्रभावी तरीके से रोकना है।

कानून में चार तरह के अपराधों पर सजा का प्रावधान

कानून में चार तरह के अपराधों के लिए किसी व्यक्ति को सजा दी जा सकती है। इनमें किसी गैरकानूनी संगठन का सदस्य होना, संगठन का सदस्य न होते हुए भी उसके लिए पैसा जुटाना, उसके कामकाज में मदद करना या कोई गैरकानूनी गतिविधि करना शामिल है।

सरकार किसी संगठन को घोषित कर सकती है 'गैरकानूनी'

MSPSA के तहत राज्य सरकार को किसी संदिग्ध संगठन को "गैरकानूनी संगठन" घोषित करने का अधिकार दिया गया है। कानून के इसी प्रावधान को लेकर भी याचिकाकर्ताओं ने आपत्ति जताई है।

'सरकार को बहुत ज्यादा अधिकार'

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि कानून कार्यपालिका को संगठनों पर प्रतिबंध लगाने और उनकी संपत्तियां जब्त करने जैसी व्यापक शक्तियां देता है। उनका आरोप है कि "गैरकानूनी गतिविधि" और "गैरकानूनी संगठन" की परिभाषाएं काफी अस्पष्ट और जरूरत से ज्यादा व्यापक हैं, जिससे इन शक्तियों का मनमाने तरीके से इस्तेमाल हो सकता है।

क्या है पूरे विवाद का केंद्र?

एक तरफ महाराष्ट्र सरकार का कहना है कि राज्य में बढ़ती "अर्बन माओवादी" गतिविधियों और 64 सक्रिय फ्रंटल संगठनों के मद्देनजर यह कानून सार्वजनिक व्यवस्था और राष्ट्रीय अखंडता की रक्षा के लिए जरूरी है। दूसरी तरफ कानून को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि इसके प्रावधान सरकार को जरूरत से ज्यादा और मनमाने अधिकार देते हैं। अब बॉम्बे हाईकोर्ट में इसी सवाल पर आगे सुनवाई होगी।

राहुल-प्रियंका के खिलाफ शिकायत
आकाशवाणी कार्यालय में जबरन प्रवेश का आरोप
कई अन्य नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज

दिल्ली पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस अब पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। हालांकि, एफआईआर में किन-किन धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, इसकी जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। पुलिस ने कहा कि मामले में आगे की जानकारी जांच के बाद सामने आएगी। अधिकारियों के मुताबिक, फिलहाल मामले से जुड़ी अन्य जानकारियों का इंतजार है। दरअसल, इंडिया गठबंधन के सांसदों ने मंगलवार को संसद भवन से निर्वाचन आयोग के कार्यालय 'निर्वाचन सदन' तक मार्च निकालने की योजना बनाई थी। दिल्ली पुलिस का कहना है कि इस मार्च के लिए कोई आधिकारिक अनुमति नहीं ली गई थी और न ही पुलिस की ओर से इसकी अनुमति दी गई थी। निर्वाचन आयोग के कार्यालय के पास पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोक दिया। इसके बाद विपक्षी नेताओं और सांसदों ने वहीं धरना शुरू कर दिया। इसी दौरान राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य नेता आकाशवाणी भवन परिसर में पहुंच गए और वहां भी विरोध-प्रदर्शन जारी रखा। दिल्ली पुलिस ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए पुलिस ने हस्तक्षेप किया। इसके बाद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा समेत अन्य प्रदर्शनकारियों को परिसर से हटाया गया और हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार, मंगलवार के प्रदर्शन के दौरान करीब 260 लोगों को हिरासत में लिया गया था। इनमें 10 सांसद भी शामिल थे। हिरासत में लिए गए नेताओं को किंग्सवे कैंप स्थित न्यू पुलिस लाइंस ले जाया गया, जहां बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया।विपक्षी दलों ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विरोध-प्रदर्शन किया था। साथ ही विपक्ष मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहा है। अब दिल्ली पुलिस ने आकाशवाणी भवन में कथित अनधिकृत प्रवेश और वहां प्रदर्शन करने के मामले में एफआईआर दर्ज की है। हालांकि, एफआईआर में किन धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, इसकी विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

दिल्ली पुलिस ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य लोगों के खिलाफ आकाशवाणी कार्यालय में कथित तौर पर जबरन प्रवेश करने के मामले में एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक, इस संबंध में शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कई सांसदों पर आकाशवाणी कार्यालय में जबरन प्रवेश करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों से आकाशवाणी भवन परिसर खाली करने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने वहां से जाने से इनकार कर दिया। प्रदर्शनकारी नेताओं का कहना था कि जब तक उनके सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को निर्वाचन आयोग के अधिकारियों से मिलने का समय नहीं दिया जाता, वे वहां से नहीं हटेंगे।

आरबीआई एमपीसी: आरबीआई गवर्नर ने साढ़े तीन साल बाद रेपो रेट बढ़ाने का किया एलान, आपकी ईएमआई कितने रुपये बढ़ेगी?

आरबीआई एमपीसी बैठक के नतीजों का एलान कर दिया है। रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया गया है। इसका आपकी ईएमआई पर क्या असर पड़ेगा, आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी मौद्रिक नीति का महत्वपूर्ण निर्णय घोषित कर दिया है। करीब साढ़े तीन वर्षों के अंतराल (फरवरी 2023) के बाद एमपीसी ने सर्वसम्मति से रेपो रेट को 25 बेसिस प्वाइंट बढ़ाने का फैसला किया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने इसकी जानकारी बुधवार को दी। इस फैसले का सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ेगा।

रेपो रेट बढ़ने पर ईएमआई पर क्या असर पड़ेगा?

आरबीआई द्वारा रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.5 प्रतिशत करने (0.25% या 25 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी) का सीधा मतलब है कि बैंकों के लिए फंड जुटाना महंगा हो जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप वे होम लोन की ब्याज दरों में भी बढ़ोतरी करेंगे।

इस हिसाब-किताब को ऐसे समझें

यदि आपने 8.5% की ब्याज दर पर 20 साल के लिए 30 लाख रुपये का होम लोन लिया हुआ है, तो आपकी मौजूदा मासिक ईएमआई करीब 26,035 रुपये होगी। ब्याज दर में 0.25% की बढ़ोतरी (यानी दर 8.75% होने) के बाद, यही ईएमआई बढ़कर लगभग 26,511 रुपये हो जाएगी। इस प्रकार आपको हर महीने लगभग 476 रुपये (सालाना करीब 5,712 रुपये) अधिक चुकाने होंगे। इसके अलावा, कई बार बैंक ईएमआई की राशि बढ़ाने के बजाय लोन की समयावधि भी बढ़ा देते हैं, जिससे ग्राहकों पर कुल ब्याज का बोझ बढ़ जाता है। इसी तरह 50 लाख रुपये के लोन पर 25 साल की अवधि और 7.50 फीसदी ब्याज दर पर मासिक ईएमआई करीब 36,950 रुपये बनती है। रेपो दर बढ़ने के बाद यदि बैंक पूरी बढ़ोतरी ग्राहक तक पहुंचाते हैं, तो ब्याज दर 7.75 फीसदी हो जाएगी। इससे मासिक किस्त लगभग 817 रुपये बढ़कर करीब 37,767 रुपये हो सकती है। पूरे ऋण की अवधि में अतिरिक्त ब्याज का बोझ करीब 2.45 लाख रुपये तक पहुंच सकता है। बड़े ऋणों पर यह बोझ और ज्यादा होगा। बैंक या तो मासिक किस्त बढ़ा सकते हैं या ऋण की अवधि बढ़ा सकते हैं। दोनों ही मामलों में कर्जदार को ज्यादा पैसा चुकाना पड़ेगा। मौद्रिक नीति समिति ने अगस्त में रेपो दर को 5.25 फीसदी पर स्थिर रखा था। उस समय समिति ने मुद्रास्फीति के रुझानों पर अधिक स्पष्टता की प्रतीक्षा करने का निर्णय लिया था। वृद्धि और मुद्रास्फीति के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया गया था। समिति का तटस्थ रुख दर्शाता है कि वह स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है। रेपो दर वह ब्याज दर है जिस पर वाणिज्यिक बैंक भारतीय रिजर्व बैंक से ऋण लेते हैं। यह दर सीधे तौर पर बैंकों द्वारा दिए जाने वाले ऋणों की ब्याज दरों को प्रभावित करती है। रेपो दर में बदलाव से गृह ऋण, वाहन ऋण और अन्य उपभोक्ता ऋण महंगे या सस्ते हो सकते हैं। इसलिए, इसका सीधा असर आम जनता और उद्योगों पर पड़ता है। केंद्रीय बैंक इसका उपयोग मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए करता है।

टाटा संस विवाद: टाटा ट्रस्ट का अब ट्रस्टियों पर आरोप, लिस्टिंग पर आरबीआई नियमों से कैसे बचेगी कंपनी?

टाटा संस की संभावित लिस्टिंग को लेकर टाटा ट्रस्ट्स में गहराया विवाद। वरिष्ठ ट्रस्टियों ने वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह पर बोर्ड के प्रस्तावों को कमजोर करने का आरोप लगाया। जानें आरबीआई के नियामकीय मुद्दों और गैर-सूचीबद्धता बनाए रखने के विकल्पों पर पूरी खबर। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की संभावित पब्लिक लिस्टिंग को लेकर टाटा ट्रस्ट्स के भीतर गहरे मतभेद सामने आए हैं। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के वरिष्ठ ट्रस्टियों ने साथी ट्रस्टियों वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इन पर बोर्ड के प्रस्तावों को कमजोर करने और न्यासी दायित्वों का उल्लंघन करने का आरोप है। यह घटनाक्रम टाटा संस की स्वामित्व संरचना और उसकी सूचीबद्धता की स्थिति को लेकर बढ़ती बहस को दर्शाता है।

क्या हैं लिस्टिंग से बचने के विकल्प?

वरिष्ठ ट्रस्टियों ने 28 सितंबर को एक प्रस्ताव का उल्लेख किया है। इसमें टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड और टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स के टाटा संस में विलय का सुझाव दिया गया था। इसे एक संभावित विकल्प माना गया है। यह कंपनी को आरबीआई के गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) संबंधी मानदंडों को पूरा करने में मदद कर सकता है। इससे सार्वजनिक सूचीबद्धता का रास्ता अपनाने से बचा जा सकता है। टाटा संस के बोर्ड ने ट्रस्ट्स से केवल सूचीबद्धता विकल्प पर विचार करने के बजाय सभी उपलब्ध विकल्पों की जांच करने को कहा था।

ट्रस्ट्स ने क्या कदम उठाए?

ट्रस्टियों ने पत्र में बताया कि उन्होंने वही किया जिसकी अपेक्षा टाटा संस के बोर्ड ने उनसे की थी। उन्होंने सार्वजनिक सूचीबद्धता के विकल्पों के अलावा अन्य संभावित रास्तों की तलाश की। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है

एनडीटीवी प्रॉफिट की रिपोर्ट के अनुसार, ये आरोप एक पत्र के माध्यम से सामने आए हैं। इस पत्र पर नोएल एन. टाटा, डेरियस जे. खंबाटा, नेविल एन. टाटा और भास्कर भट्ट के हस्ताक्षर बताए गए हैं। पत्र में कहा गया है कि टाटा संस को गैर-सूचीबद्ध बनाए रखना लंबे समय से टाटा ट्रस्ट्स और कंपनी दोनों की स्थापित नीति रही है। मार्च 2024 में टाटा संस के बोर्ड ने सर्वसम्मति से कंपनी को गैर-सूचीबद्ध रखने का निर्णय लिया था। जुलाई 2025 में सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टियों ने भी इस रुख को दोहराया था। उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ संवाद जारी रखने पर सहमति जताई थी।वरिष्ठ ट्रस्टियों ने कहा कि जुलाई 2025 के प्रस्तावों को कभी वापस नहीं लिया गया। उनका आरोप है कि वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह ने अपनी राय बदली। उन्होंने इसे ट्रस्टियों के समक्ष सामूहिक चर्चा के लिए नहीं रखा। पूर्व निर्णयों की पुनर्समीक्षा की मांग करने के बजाय, उन्होंने सार्वजनिक रूप से सूचीबद्धता का समर्थन किया। पत्र में कहा गया है कि ऐसे सार्वजनिक बयान ट्रस्ट्स के आधिकारिक निर्णयों को कमजोर करते हैं। ये बयान टाटा संस की आरबीआई के समक्ष लंबित प्रक्रियाओं और आवेदनों को भी प्रभावित कर सकते हैं।

महंगाई बढ़ी तो बदला पैकेट का गणित:

छोटे पैक में सामान की मात्रा कम, बड़े पैक किए महंगे; ग्राहकों पर कितना असर?

दशहरा और दिवाली से पहले रोजमर्रा के सामान की बढ़ती लागत का असर अब ग्राहकों को पैकेट के अंदर भी दिखने लगा है। कंपनियां कई छोटे पैक की कीमत वही रखते हुए उनमें सामान की मात्रा घटा रही हैं, जबकि बड़े पैक के दाम सीधे बढ़ाए जा रहे हैं। बिस्कुट, नमकीन, नूडल्स, साबुन, शैंपू और चाय जैसी चीजें इससे प्रभावित हैं। आखिर कंपनियां ऐसा क्यों कर रही हैं और ग्राहक पर इसका कितना असर पड़ेगा? आइए, सबकुछ विस्तार से जानते हैं...दशहरा और दिवाली से पहले रोजमर्रा के इस्तेमाल वाले सामान की बढ़ती कीमतों का असर अब अलग तरीके से दिखाई दे रहा है। कच्चे माल और उत्पादन से जुड़ी लागत बढ़ने के बीच कंपनियां हर पैकेट की कीमत सीधे बढ़ाने से बच रही हैं। इसके बजाय छोटे पैक में सामान की मात्रा घटाई जा रही है। कई मामलों में मात्रा में 2 से 7 फीसदी तक की कमी की जा रही है। वहीं बड़े पैक की कीमत सीधे 5 से 6 फीसदी तक बढ़ाई जा रही है। इसका मतलब है कि ग्राहक को कई सामान पहले जितने ही रुपये में मिलेंगे, लेकिन पैकेट में सामान कुछ कम होगा।

दूध और घी की कीमतों पर कितना दबाव है?

त्योहारी सीजन में डेयरी उत्पादों की लागत पर भी दबाव बढ़ रहा है। पारस डेयरी के विपणन अधिकारी वीपीएस मलिक के मुताबिक, त्योहारी सीजन में दूध की कीमत 3 रुपये प्रति लीटर तक और बढ़ सकती है। घी की कीमत पहले ही 25 से 30 रुपये प्रति किलो बढ़ चुकी है। इसके अलावा इतनी ही और बढ़ोतरी की संभावना जताई गई है। इसका सीधा असर उन परिवारों के बजट पर पड़ सकता है, जिनके घर में दूध और घी की नियमित खपत होती है। त्योहारों के दौरान मिठाइयों और दूसरे खाद्य पदार्थों में डेयरी उत्पादों का इस्तेमाल बढ़ने से भी कीमतों पर नजर बनी हुई है।

कंपनियां पैकेट में सामान कम क्यों कर रही हैं?

एफएमसीजी कंपनियों के सामने इस समय लागत बढ़ने और ग्राहकों को कीमत का झटका देने से बचने की दोहरी चुनौती है। पाम ऑयल, पैकेजिंग, कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों और दूसरी जिंसों की कीमत बढ़ने से कंपनियों की लागत बढ़ रही है। दूसरी ओर ग्राहक रोजमर्रा की चीजों की कीमत को लेकर काफी सतर्क हैं। ऐसे में कंपनियां ऐसी कीमत बनाए रखना चाहती हैं, जिससे बिक्री की मात्रा पर ज्यादा असर न पड़े। इसलिए छोटे पैक में कीमत बढ़ाने के बजाय सामान की मात्रा कम करना आसान विकल्प माना जा रहा है। ग्राहक को पैकेट की कीमत पहले जैसी दिखाई देती है, लेकिन उसमें मिलने वाला सामान कम हो जाता है।

किन रोजमर्रा के सामान पर इसका असर दिख रहा है?

यह बदलाव बिस्कुट, नमकीन, स्नैक्स, नूडल्स, हेयर ऑयल, साबुन, शैंपू, डिटर्जेंट, चीनी और चाय जैसी रोजमर्रा की चीजों में देखने को मिल रहा है। बिस्कुट, नमकीन और स्नैक्स बनाने वाली कई कंपनियों ने बढ़ी लागत से निपटने के लिए कुछ उत्पादों की कीमतें बढ़ाई हैं। बीकाजी फूड्स के मनोज वर्मा के मुताबिक, पिछले छह-सात महीनों में औसत कच्चे माल की लागत करीब 7 फीसदी बढ़ी है। पाम ऑयल, पैकेजिंग और दूसरी जिंसों की कीमतों में बढ़ोतरी इसका प्रमुख कारण है। यानी कंपनियों पर लागत का दबाव बढ़ा है और उसका असर किसी न किसी रूप में ग्राहकों तक पहुंच रहा है।डाटा रिसर्च फर्म नीलसन इंडिया के प्रीतम भादुड़ी के मुताबिक, कंपनियों के लिए 10, 20 और 50 रुपये कीमत वाले छोटे पैक काफी महत्वपूर्ण हैं। इन पैकों की कीमत बढ़ने पर ग्राहक को सामान तुरंत महंगा महसूस हो सकता है। इसलिए इन पैकों में मात्रा घटाना कंपनियों के लिए आसान रास्ता बन जाता है। दूसरी तरफ बड़े पैक में कीमत बढ़ाने की गुंजाइश ज्यादा होती है। आधुनिक रिटेल और ई-कॉमर्स में बिकने वाले बड़े पैक पर कंपनियां बढ़ी लागत का कुछ हिस्सा सीधे ग्राहक पर डाल सकती हैं। इस तरह कंपनियां छोटे पैक में कीमत को नियंत्रित रखने और बड़े पैक में दाम बढ़ाने की रणनीति अपना रही हैं। इसका असर ग्राहक की जेब पर सिर्फ कीमत बढ़ने से नहीं, बल्कि कम सामान मिलने के रूप में भी पड़ सकता है।

एक्सप्लेनर: दावों की ऊंची उड़ान के बीच संकट में विमानन क्षेत्र

भारतीय नागरिक उड्डयन (एविएशन) क्षेत्र इस समय एक अभूतपूर्व और गंभीर विरोधाभास से गुजर रहा है। एक तरफ देश में नए हवाई अड्डों का तेजी से विस्तार का दावा किया जा रहा है तो दूसरी तरफ प्रमुख एयरलाइंस गहरे वित्तीय संकट, विमानों की ग्राउंडिंग और ढांचागत कमियों के बोझ तले दबी हुई हैं। रेटिंग एजेंसी इक्रा (आईसीआरए) के अनुमानों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में भारतीय एविएशन इंडस्ट्री को 17,000 से 18,000 करोड़ रुपये (170 से 180 अरब रुपये) का भारी-भरकम शुद्ध घाटा होने की आशंका है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट बनने का दावा करने वाले भारत के आसमान पर आखिरकार यह संकट क्यों गहरा रहा है और एयरलाइंस का गणित कहां बिगड़ रहा है, आइए इसे विस्तार से समझते हैं।सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश में चालू हवाई अड्डों की संख्या 2014 के 74 से बढ़कर 2025 तक लगभग 163 हो चुकी है और वित्त वर्ष 2023-24 में यात्री यातायात 37.6 करोड़ (376 मिलियन) के आंकड़े को छू चुका था। लेकिन मौजूदा जमीनी हकीकत काफी चिंताजनक है। एक तो देश में पहले सही विमानन कंपनियों की कमी है, दो-तीन ही बड़े खिलाड़ी बचे हैं और वे भी संघर्ष से जूझ रहे। बीते दिनों सरकार की ओर से कुछ नई विमानन कंपनियों को लाइसेंस जारी करने की खबर जरूर सामने आई पर ये कंपनियां अब भी बड़े पैमाने पर परिचालन शुरू करने की स्थिति में नहीं दिख रहे।

भारत का एविएशन सेक्टर इन दिनों एक गहरे विरोधाभास के दौर से गुजर रहा है। एक तरफ सरकार भारत को दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता एविएशन मार्केट बता रही है, वहीं दूसरी तरफ जमीनी हकीकत विमानन कंपनियों के लिए डराने वाली है। हालिया आंकड़े बताते हैं कि देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो समेत पूरी इंडस्ट्री गंभीर दबाव में है। यह स्थिति सवाल उठाती है कि क्या यह संकट केवल खराब मैनेजमेंट का नतीजा है, या फिर नीतियों की खामियां और बाहरी झटके इसके लिए जिम्मेदार हैं?

आंकड़ों में छुपी गिरावट की कहानी क्या कह रही?

वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (Q2FY27) के हालिया आंकड़े एविएशन इंडस्ट्री के लिए खतरे की घंटी हैं। इस तिमाही में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या गिरकर 3.67 करोड़ रह गई है। अगर इसकी तुलना पिछली तिमाही (Q1FY27) के 4.35 करोड़ यात्रियों से करें, तो यह 16% की भारी गिरावट है।

सर्राफा बाजार: दिल्ली में सोने की कीमतों में गिरावट, पितृ पक्ष और डॉलर की मजबूती से बढ़ा दबाव

वैश्विक बाजार में सोने-चांदी का क्या हाल है?

वैश्विक बाजारों में हाजिर सोना थोड़ा बढ़कर 4,149.44 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। मीराए एसेट शेयरखान के कमोडिटीज प्रमुख प्रवीण सिंह ने कहा। उन्होंने बताया कि अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से हाजिर सोना लाभ के साथ कारोबार कर रहा था। यह 4,151 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर था। वहीं, चांदी 61.01 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर स्थिर रही।प्रवीण सिंह के अनुसार, चमकीली धातु तेल और डॉलर से संकेत लेती रहेगी। अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव महत्वपूर्ण होगा। निकट भविष्य में सोने के दाम सीमित दायरे में रहने की उम्मीद है। इसमें थोड़ी मंदी का रुख भी दिख सकता है। निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता अभी भी स्वस्थ बनी हुई है। यह सोने की कीमतों को प्रभावित करने वाला एक अन्य कारक है।

दिल्ली में मंगलवार को सोने के दाम 200 रुपये प्रति 10 ग्राम गिर गए। कमजोर खुदरा मांग और मजबूत डॉलर ने कीमती धातु पर दबाव डाला। देश की राजधानी में 10 ग्राम सोने का भाव 1,49,600 रुपये हो गया। सोमवार को यह 1,49,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमतें लगातार दूसरे सत्र में स्थिर रहीं। स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, चांदी 2.27 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर बनी हुई है। इसमें सभी कर शामिल हैं। HDFC सिक्योरिटीज के कमोडिटीज विश्लेषक सौमिल गांधी ने बताया। उन्होंने कहा कि कमजोर वैश्विक संकेतों से दाम गिरे। पितृ पक्ष की मांग में कमी ने भी घरेलू बाजार में सोने पर दबाव डाला। पितृ पक्ष के दौरान उपभोक्ता आमतौर पर शुभ वस्तुएं नहीं खरीदते हैं। इनमें सोना, आभूषण, संपत्ति या अन्य विलासिता की वस्तुएं शामिल हैं। वैश्विक बाजारों में हाजिर सोना थोड़ा बढ़कर 4,149.44 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। वहीं, चांदी 61.01 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर स्थिर रही।

द बोनस मार्केट अपडेट: एमपीसी के फैसले से पहले बुधवार को शेयर बाजार में बिकवाली, सेंसेक्स 450 अंक फिसला

भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 450 से अधिक अंक और निफ्टी 22,650 के नीचे बंद हुआ। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति के फैसले से पहले निवेशकों में ब्याज दरें बढ़ने की आशंका है। ऑटो, धातु और एफएमसीजी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में बिकवाली देखी गई। निवेशकों का ध्यान अब भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति के परिणाम पर केंद्रित है। बाजार में व्यापक बिकवाली का दबाव देखा गया। निवेशक केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने की उम्मीद कर रहे हैं। टाइटन और अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में 3 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई। सुबह के कारोबार में बाजार की चौड़ाई कमजोर रही, जो अधिकांश प्रमुख क्षेत्रों में व्यापक बिकवाली को दर्शाती है।

किन क्षेत्रों में दिखी गिरावट और बढ़त?

भारतीय क्षेत्रीय सूचकांकों में व्यापक रूप से गिरावट दर्ज की गई। ऑटो, धातु, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं और एफएमसीजी शेयरों में भारी बिकवाली हुई। सूचना प्रौद्योगिकी, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, निजी बैंक और रियल्टी सूचकांक भी गिरे। हालांकि, मीडिया एकमात्र ऐसा क्षेत्रीय सूचकांक रहा जिसने बढ़त हासिल की। फार्मा और स्वास्थ्य सेवा के शेयर अपेक्षाकृत मजबूत बने रहे।

वैश्विक बाजारों का क्या रहा हाल?

वैश्विक बाजारों में भी मिलाजुला रुख देखने को मिला। टोक्यो समय अनुसार सुबह 11:56 बजे एसएंडपी 500 वायदा और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 लगभग अपरिवर्तित रहे। जापान का निक्केई 225 वायदा (ओएसई) 0.7 फीसदी गिरा। जापान का टॉपिक्स 0.6 फीसदी नीचे आया। हांगकांग का हैंग सेंग और यूरो स्टॉक्स 50 वायदा दोनों 0.7 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए।

बिग बॉस 20: कौन हैं शैनन के? जिनकी वाइल्ड कार्ड एंट्री की खबरों ने मचाई हलचल; कुमार सानू से है खास कनेक्शन

बिग बॉस 20' में दर्शकों को जल्द पहली वाइल्डकार्ड एंट्री देखने को मिल सकती है। सोशल मीडिया पर शैनन के. के नाम की काफी चर्चा है। आइए जानते हैं कि शैनन कौन हैं। सलमान खान होस्टेड शो 'बिग बॉस 20' को शुरू हुए एक महीना हो गया और इस एक महीने में शो के अंदर काफी कुछ देखने को मिला। शो की शुरुआत में 16 प्रतियोगियों ने इसमें हिस्सा लिया था। इसके बाद जैसे-जैसे गेम आगे बढ़ा तो तीन कंटेस्टेंट्स बाहर भी हो गए। अब शो में जल्द ही कुछ वाइल्डकार्ड एंट्री देखने को मिल सकती हैं। बता दें कि सोशल मीडिया पर शैनन के का नाम काफी चर्चा में बना हुआ है। ऐसा बताया जा रहा है कि शैनन बिग बॉस के इस सीजन में घर में बतौर वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट एंट्री कर सकती हैं। हालांकि, अभी तक ' बिग बॉस' की टीम या शैनन की तरफ से इस खबर की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है । आइए बताते हैं कि आखिर शैनन के. कौन हैं।कुमार सानू से है खास कनेक्शन बता दें कि शैनन के. बॉलीवुड सिंगर कुमार सानू की बेटी हैं। सिंगर ने दो शादियां की और उनकी पहली शादी से बेटे जान कुमार सानू हैं और दूसरी पत्नी के साथ गायक ने एक बेटी को गोद लिया, जो शैनन हैं। शैनन ने अपना डेब्यू पॉप सिंगल 'अ लॉन्ग टाइम' से किया था, जिसे जस्टिन बीबर के सहयोगी पू बी ने प्रोड्यूस किया था और लिखा था। कोचेला में किया था परफॉर्म शैनन के. सिंगर हैं और उनका करियर सिर्फ भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री तक सीमित नहीं है। उन्होंने 2025 में दुनिया के चर्चित म्यूजिक फेस्टिवल कोचेला में परफॉर्म किया था। इससे पहले वह लंदन के रॉयल अल्बर्ट हॉल में भी अपनी परफॉर्मेंस दे चुकी हैं। उनके यूट्यूब चैनल पर 15 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर हैं। शैनन भारतीय शास्त्रीय संगीत की ट्रेनिंग ले चुकी हैं। शैनन की परवरिश का एक बड़ा हिस्सा पश्चिमी संस्कृति में हुआ है। यही वजह है कि उनके संगीत में इंडियन क्लासिकल और वेस्टर्न पॉप दोनों का प्रभाव देखने को मिलता है। 2026 में उन्होंने 'नॉट माय शेड' गाना रिलीज किया। शैनन के संगीत में सेल्फ-वर्थ, बुलिंग और इमोशनल स्ट्रेंथ जैसे विषय पहले भी देखने को मिले हैं। एक्ट्रेस के तौर पर भी कर चुकी हैं कामशैनन सिर्फ सिंगर ही नहीं, बल्कि एक्ट्रेस भी हैं। उन्होंने अमेरिका में एक्टिंग की ट्रेनिंग ली है। हिंदी फिल्म 'चल जिंदगी' से उन्होंने भारतीय सिनेमा में कदम रखा। इसके अलावा वह इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स से भी जुड़ी रही हैं। भारतीय सिनेमा में उनका कनेक्शन म्यूजिक के जरिए भी रहा है। उन्होंने ऑस्कर विजेता संगीतकार एम. एम. कीरावाणी के लिए 'तन्वी द ग्रेट' में गाना गाया है। इसके अलावा उन्होंने वेब सीरीज 'सलाकार' के लिए भी अपनी आवाज दी है।

राजामौली के मुरीद हुए जापानी मेकर्स: जताई मिलने की ख्वाहिश;

RRR' और 'बाहुबली' का जापान में जबरदस्त क्रेज

90 के दशक में पैदा हुई पीढ़ी के लिए डोरेमॉन शायद कोई विदेशी किरदार नहीं। उसके गैजेट, नोबिता की मुसीबतें और डोरेमॉन की आवाज भारतीय बचपन की यादों का हिस्सा हैं। भारत में इस किरदार की टीवी एंट्री 2005 में हुई थी। अब हाल ही में इसकी फिल्म रिलीज हुई है। फिल्म के मेकर्स ने हाल ही में भारत का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय सिनेमा के बारे में काफी कुछ कहा। भारत में मशहूर जापानी कार्टून किरदार डोरेमॉन की फिल्म 'डोरेमॉन द मूवी: न्यू नोबिता एंड द कास्ल ऑफ द अंडरसी डेविल' हाल ही में भारतीय सिनेमाघरों में भी रिलीज हुई है। इसी बीच इस फिल्म के मेकर्स ने डोरेमॉन समेत भारतीय सिनेमा के बारे में अपनी राय जाहिर की। इस बातचीत के दौरान 'आरआरआर', 'बाहुबली' और '3 इडियट्स' का जिक्र हुआ। राजामौली की फिल्मों से लेकर भारतीय सिनेमा के गाने, डांस और इंटरवल तक बात हुई। पढ़ें अमर उजाला की जापानी फिल्ममेकर्स केनजी योशिदा, माइको सुमिदा और सुसुमु नाकाजिमा से खास बातचीत के मुख्य अंश...जापान में भी इन फिल्मों की चर्चा

सबसे पहले भारतीय सिनेमा की बात निकली तो 'आरआरआर', 'बाहुबली' और '3 इडियट्स' के नाम सामने आए। मेकर्स ने कहा, 'हमने 'आरआरआर', 'बाहुबली' और '3 इडियट्स' जैसी भारतीय फिल्में देखी हैं। जापान में इन फिल्मों की काफी लोकप्रियता है। इन फिल्मों का जबरदस्त क्रेज रहा है....लोगों ने इन्हें खूब पसंद किया है। सच कहें तो हमें भारतीय फिल्मों में गाने, डांस और इमोशन का मेल बहुत अच्छा लगता है। हर फिल्म का अंदाज अलग है, लेकिन दर्शकों से जुड़ने वाली बात इनमें बहुत मजबूत है। 'आरआरआर' और 'बाहुबली' जैसी फिल्मों का तो स्केल भी काफी बड़ा है।' राजामौली से जरूर मिलना चाहेंगे' बातों ही बातों में मेकर्स ने निर्देशक एसएस राजामौली का जिक्र किया। उन्होंने राजामौली से मिलने की इच्छा भी जताई। मेकर्स ने कहा, 'एसएस राजामौली की फिल्में हमने देखी हैं और उनका काम हमें काफी पसंद है। उनकी फिल्मों का स्केल और कहानी कहने का तरीका काफी दिलचस्प है। अगर उनसे मिलने का मौका मिला तो हम जरूर मिलना चाहेंगे। हम एनिमेशन बनाते हैं और वह अलग तरह की फिल्में बनाते हैं। उनसे मिलकर उनके काम करने का तरीका समझना हमारे लिए दिलचस्प होगा।'गाने-डांस से लेकर इंटरवल तक, भारत का फिल्मी अंदाज अलग भारतीय सिनेमा का गाना और डांस भी जापानी मेकर्स को खूब लुभााता है। वह कहते हैं, 'भारतीय फिल्मों में डांस और म्यूजिक बहुत खास है। यह जापानी फिल्मों से काफी अलग है। यहां गाने और डांस कहानी का भी हिस्सा बन जाते हैं। यही चीज भारतीय सिनेमा को अलग बनाती है और हमें बहुत दिलचस्प लगती है। इंटरवल को लेकर भी अनुभव बहुत अलग है। अगर फिल्म तीन घंटे की हो, तब भी हम जापान में उसे बिना किसी ब्रेक के देखते हैं। भारत में फिल्म के बीच इंटरवल होता है। हमारे लिए यह एक मजेदार अनुभव है।'21 साल बाद बड़े पर्दे पर क्यों आया डोरेमॉन?

भारत में डोरेमॉन की टीवी पर मौजूदगी पुरानी है लेकिन फिल्म को बड़े पर्दे तक पहुंचने में करीब 21 साल लग गए। इस बारे में पूछने पर मेकर्स ने कहा, 'हम कई साल पहले भी फिल्म को भारत लाना चाहते थे, लेकिन सही समय का इंतजार करना पड़ा। अब भारत में एनिमेटेड फिल्मों को ज्यादा स्वीकार किया जा रहा है। हमें लगा कि यह फिल्म भारतीय दर्शकों के लिए सही है इसलिए इसे बड़े पर्दे पर लाने का फैसला किया। बाकी हम फिल्म का मूल कंटेंट नहीं बदलते। हर देश के दर्शक उसे अलग तरह से स्वीकार करते हैं इसलिए हम बाजार के हिसाब से उसे दर्शकों तक पहुंचाने का तरीका समझते हैं। भारत में डोरेमॉन लंबे समय से मौजूद है और हमें पता है कि लोग इसे बड़े पर्दे पर देखना चाहते थे।'छोटा भीम' और 'चाचा चौधरी' को नहीं जानते मेकर्स भारत में बच्चों के एनिमेशन की अपनी बड़ी दुनिया है। 'छोटा भीम', 'मोटू पतलू 'और 'चाचा चौधरी' जैसे किरदारों के साथ एक पूरी पीढ़ी बड़ी हुई है।

कियारा आडवाणी: 35 साल की उम्र में दूसरी बार मां बनेंगी

अभिनेत्री, खूबसूरत तस्वीर के साथ साझा की जानकारीबॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी दूसरी बार मां बनने वाली हैं। इस बात की जानकारी एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया पर दी। कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा के घर एक बार फिर नन्हे मेहमान की किलकारी गूंजने वाली है। कपल ने बुधवार सुबह अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर इस बात की जानकारी सभी के साथ शेयर की। पोस्ट सामने आते ही फैंस और बॉलीवुड सेलेब्स कपल को जमकर बधाई दे रहे हैं।कियारा आडवाणी ने इंस्टाग्राम पर पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ एक जॉइंट पोस्ट शेयर किया। पोस्ट में एक तस्वीर दिखाई दे रही है, जिसमें कपल के हाथ पर एक छोटे से बच्चे के सॉक्स रखे हैं और उनकी बेटी सराया ने भी उसे पकड़ रखा है। इस पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया, 'एक बार फिर सबसे बड़े तोहफे का आशीर्वाद मिला है। हमारा दिल प्यार और शुक्रगुजार से भरा हुआ है।'

कश्मीरा शाह: मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आईं अभिनेत्री,

कश्मीरा शाह हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर दिखाई दीं। इस दौरान उन्होंने पैप्स से बताया कि वह अपने प्रोजेक्ट के लिए देश से बाहर जा रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने कुछ ऐसा कहा जिसे फैंस गोविंदा और कोमल रानी से जोड़ रहे हैं। अभिनेत्री कश्मीरा शाह का कोई प्रोजेक्ट नहीं आया है। मगर अब जल्द ही एक्ट्रेस अपने एक नई योजना के लिए अभिनेत्री और निर्देशक के तौर पर ग्रीस जा रही हैं। इतना ही नहीं उन्होंने एक बातचीत में अप्रत्यक्ष रुप से गोविंदा की कथित गर्लफ्रेंड कोमल रानी पर तंज भी किया। पैप्स से क्या बोलीं कश्मीरा शाह? कश्मीरा शाह मंगलवार, 6 अक्टूबर की शाम को मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आईं। जहां पैपराजी ने उन्हें स्पॉट किया और उनसे सवाल किया कि वह कहां जा रही हैं। इसके जवाब में कश्मीरा ने बताया कि वह एक्टर और निर्देशक के रुप में एक नए प्रोजेक्ट के लिए यूरोप के ग्रीस जा रही हैं। साथ ही उन्होंने गोविंदा की कथित प्रेमिका कोमल रानी स्वर्णकार पर तंज भी कसा। उन्होंने कहा, 'खास बात ये ही है कि ये प्रोजेक्ट इंडिपेंडेंट है, ना मेरे पति कृष्णा अभिषेक ने ना फाइनेंस किया, ना किसी बॉयफ्रेंड ने'गोविंदा और कोमल का कथित रिश्ता बीते दिनों अभिनेता गोविंदा और कोमल के बीच कथित प्रेम प्रसंग की अफवाहें काफी सुर्खियां बटोरी। कोमल रानी और गोविंदा की फिल्म 'रूपा' जल्द रिलीज होने वाली है। इस फिल्म के निर्माता-निर्देशक गोविंदा ही हैं। इस बीच सबसे पहले इस साल की शुरुआत में तब उठीं जब दोनों को मुंबई हवाई अड्डे और लालबागचा राजा के दरबार पर एक साथ देखा गया। तब से, उनकी सार्वजनिक उपस्थिति ने अफेयर की अटकलों को और हवा दी है। इस मामले में गोविंदा की पत्नी सुनीता ने भी इस पर कुछ समय पहले तीखी टिप्पणी की थी। गोविंदा और रानी पर लगाए थे आरोप कुछ दिन पहले गोविंदा को अभिनेत्री रानी स्वर्णकार के साथ एयरपोर्ट पर देखा गया। इसके बाद गोविंदा और रानी के अफेयर की अटकलें लगने लगीं। इस बात पर पत्नी सुनीता ने भी पैपराजी के सामने प्रतिक्रिया दी। सुनीता ने कहा, 'प्रमोशन फिल्म बनने के बाद होता है। ये बिना फिल्म के ही प्रमोशन कर रहे हैं। क्या बोल जाए। बेटी की उमर की लड़की को ले लेकर घूम रहा है। शर्म तो आनी चाहिए। कोई स्टैंडर्ड तो होना चाहिए।' इसके बाद गोविंदा ने भी सुनीता को फटकार लगाई और गलत भाषा का प्रयोग करने के लिए खूब खरी-खोटी सुनाईं / कश्मीरा शाह ने पैप्स से कहा:"जब उन लोगों ने एक-दूसरे को छोड़ दिया है, तो आप लोग भी छोड़ दो। क्यों बार-बार यही सवाल पूछ रहे हो? सुनीता मेरी फैमिली हैं और मैं अपनी फैमिली की महिलाओं के साथ खड़ी रहूंगी।"

विजयेंद्र कुमेरिया: शादी के 13 साल बाद टूटा रिश्ता

पत्नी से लिया तलाक; 'नागिन 4' अभिनेता ने बताई वजह टीवी अभिनेता विजयेंद्र कुमेरिया और उनकी पत्नी प्रीति भाटिया का तलाक हो गया है। अब एक्टर ने खुद इस बारे में खुलकर बात की है। आइए जानते हैं कि उन्होंने क्या कहा। 'नागिन 4' और 'शास्त्री सिस्टर्स' जैसे शो में नजर आ चुके टीवी अभिनेता विजयेंद्र कुमेरिया का तलाक हो गया है। हाल ही में एक्टर ने इस बात का खुलासा किया कि प्रीति भाटिया के साथ उनका तलाक साल 2025 में ही हो गया था और दोनों 2022 से अलग रह रहे थे। अब विजयेंद्र ने इस बारे में खुलकर बात की और बताया कि उन्होंने कई वर्षों तक इस बारे में चुप रहना इसलिए चुना, क्योंकि उन्हें अपनी निजी जिंदगी में आए बदलावों को समझने और स्वीकार करने के लिए समय चाहिए था।तलाक को लेकर क्या बोले विजयेंद्र? बता दें कि विजयेंद्र और प्रीति की शादी जनवरी 2012 में हुई थी और अक्टूबर 2016 में उनकी बेटी किमाया का जन्म हुआ। अब 'टेली टॉक इंडिया' के साथ बात करते हुए एक्टर ने अपनी शादी के टूटने के बारे में खुलकर बात की और बताया कि उन्होंने पहले अपने रिश्ते को लेकर हो रही अटकलों पर कुछ क्यों नहीं कहा था।विजयेंद्र ने बताया कि वह एक प्राइवेट इंसान हैं और जो कुछ हुआ, उसे स्वीकार करने में उन्हें समय लगा। इसलिए उन्होंने पहले इस मामले पर सार्वजनिक रूप से बात नहीं की। लेकिन समय बीतने के साथ उन्हें लगा कि इस बारे में खुद बात करना बेहतर है, ताकि लोग अपनी तरफ से कोई निष्कर्ष न निकालें।विजयेंद्र ने बताई तलाक की वजह विजयेंद्र ने कहा, 'ऐसे फैसले रातों रात नहीं लिए जाते। हमारे बीच काफी मतभेद और आपसी तालमेल की समस्याएं होने लगी थीं, जो समय के साथ बढ़ती गईं। ऐसा नहीं है कि हमने अपनी समस्याओं को सुलझाने की कोशिश नहीं की, लेकिन आखिरकार चीजें ठीक नहीं हो पाईं और हम 2022 में अलग हो गए। यह दोनों की सहमति से लिया गया फैसला था और 2025 में हमें तलाक की डिक्री मिल गई।'अभिनेता ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि किमाया के लिए भी यह बेहतर है कि वह दोनों माता-पिता से अलग-अलग प्यार महसूस करे, बजाय इसके कि वह एक ऐसे माहौल में बड़ी हो जहां माता-पिता खुश नहीं हैं। हर माता-पिता की तरह हम भी उसके लिए सबसे अच्छा चाहते हैं और हम वही कर रहे हैं।'इन सीरियल में नजर आ चुके हैं विजयेंद्र विजयेंद्र कुमेरिया 'शास्त्री सिस्टर्स', 'उड़ान', 'नागिन 4' और 'तेरी मेरी डोरियां' जैसे शो में नजर आ चुके हैं। फिलहाल वह कलर्स टीवी के शो 'जूही मुई' में इंस्पेक्टर संयम सिंह का किरदार निभा रहे हैं। इस शो में उनके साथ ईशा सिंह नजर आ रही हैं।

पत्नी से लिया तलाक; 'नागिन 4' अभिनेता ने बताई वजह
टीवी अभिनेता विजयेंद्र कुमेरिया और उनकी पत्नी प्रीति

Aaj ka Rashifal 07 October

आज का राशिफल: मेष, सिंह और मकर के बन रहे हैं लाभ के योग, करियर में मिल सकती है तरक्की

7 अक्टूबर 2026 का दिन मेष, कर्क, सिंह, कन्या, कुंभ और मकर राशि वालों के लिए कई नए अवसर और बदलाव लेकर आ सकता है। ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का असर करियर, धन, परिवार और रिश्तों पर देखने को मिल सकता है। जानें आज का राशिफल और क्या कहते हैं आपके सितारे।

Today Rashifal: 7 अक्टूबर 2026 का दिन ग्रहों और नक्षत्रों की स्थिति के लिहाज से कई राशियों के लिए खास रह सकता है। आज कुछ लोगों को करियर और कारोबार में आगे बढ़ने के नए मौके मिल सकते हैं, वहीं आर्थिक मामलों में सोच-समझकर लिए गए फैसले लाभकारी साबित हो सकते हैं। परिवार और रिश्तों के मामले में भी दिन कुछ नई परिस्थितियां सामने ला सकता है। हालांकि, हर राशि के लिए ग्रहों का प्रभाव अलग रहेगा, इसलिए किसी के लिए दिन बेहद सकारात्मक रह सकता है तो किसी को धैर्य और सावधानी से आगे बढ़ने की जरूरत होगी। आइए जानते हैं

मेष

आज का दिन आपके लिए खुशियों और अच्छे संकेतों से भरा रह सकता है। किसी धार्मिक या मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा, जिससे मन में सकारात्मकता और उत्साह बढ़ेगा। हालांकि दूर रह रहे किसी अपने की याद आपको भावुक कर सकती है। नौकरी या करियर से जुड़ा कोई काम यात्रा का कारण बन सकता है। कार्यक्षेत्र में कोई सहयोगी आपके लिए छोटी परेशानी खड़ी करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आपकी समझदारी से बात संभल जाएगी। आज आपकी सूझबूझ कई मुश्किल कामों को भी आसान बना देगी। बस किसी भी काम को हल्के में लेने या लापरवाही करने से बचें।

वृषभ

आज परिवार और करीबी लोगों के साथ रिश्तों में अपनापन और मजबूती महसूस होगी। किसी सामाजिक कार्यक्रम में जाना आपके संपर्क और प्रभाव दोनों को बढ़ा सकता है। विरोधियों की चाल को समझकर आप उन्हें पीछे छोड़ने में सफल रहेंगे। हालांकि अपनी निजी या महत्वपूर्ण बातें हर किसी के साथ साझा न करें। काम का दबाव थोड़ा अधिक रह सकता है, जिसके कारण थकान महसूस हो सकती है। यदि किसी से लिया हुआ उधार अभी बाकी है, तो उसे चुकाने का दबाव भी बढ़ सकता है। दिन आपको जिम्मेदारियों के साथ-साथ रिश्तों की अहमियत भी समझाएगा।

मिथुन

आज का दिन आपको राहत और खुशी देने वाला रहेगा। आपकी मेहनत और लगन लोगों की नजर में आपकी पहचान मजबूत कर सकती है। परिवार के साथ भी अच्छा समय बीतेगा और रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। जीवनसाथी को नौकरी या किसी नए अवसर से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है, जिसके कारण उन्हें कुछ समय के लिए बाहर जाना पड़े। कोई काम बनते-बनते अचानक रुक सकता है, जिससे थोड़ी बेचैनी होगी, लेकिन स्थिति ज्यादा देर परेशान नहीं करेगी। अविवाहित लोगों के जीवन में किसी नए रिश्ते की शुरुआत के संकेत हैं, जिससे मन में नई उम्मीद जाग सकती है।

कर्क

आज खर्चों की रफ्तार थोड़ी तेज रह सकती है, इसलिए बजट का ध्यान रखना आपके लिए जरूरी होगा। संतान की पढ़ाई या भविष्य को लेकर कोई महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं, जैसे उसकी पसंद के किसी कोर्स में दाखिला कराना। परिवार के किसी सदस्य के करियर या काम से जुड़ी परेशानी बातचीत के जरिए सुलझ सकती है। भाई-बहनों का सहयोग आपको भावनात्मक मजबूती देगा। घर की मरम्मत, सजावट या रिनोवेशन से जुड़ा कोई रुका हुआ काम फिर से शुरू हो सकता है। ऑफिस में वरिष्ठ अधिकारी आपको नई जिम्मेदारी सौंप सकते हैं, जिसे आपकी क्षमता की पहचान के रूप में भी देखा जा सकता है।

सिंह

आज का दिन आपके लिए खास और याद रखने लायक हो सकता है। नए लोगों से होने वाली मुलाकातें भविष्य में करियर या कारोबार के लिए उपयोगी साबित हो सकती हैं। धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने से मन को शांति मिलेगी और भीतर से अच्छा महसूस होगा। प्रेम संबंधों में कुछ ऐसी परिस्थितियां आ सकती हैं, जहां धैर्य रखना जरूरी होगा। छोटी बात पर गुस्सा करने या जल्दबाजी में फैसला लेने से बचें। प्रॉपर्टी खरीदने या किसी अच्छे निवेश की योजना भी आज आपके मन में आकार ले सकती है।

कन्या

आज का दिन नई उम्मीदों और सकारात्मक बदलावों का संकेत दे रहा है। यात्रा या घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जिसका लाभ आपको आने वाले समय में मिलेगा। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई से जुड़ी किसी परेशानी को गुरुजनों की सलाह से दूर करने में सफल हो सकते हैं। व्यापार में कुछ उतार-चढ़ाव रहेंगे, जिससे मन थोड़ा परेशान हो सकता है, लेकिन स्थिति संभाली जा सकेगी। वाहन खरीदने की योजना बन रही है तो आज इस दिशा में आगे बढ़ने का विचार अच्छा रह सकता है। माता-पिता का आशीर्वाद किसी रुके हुए काम को गति दे सकता है।

तुला

आज आर्थिक मामलों में राहत महसूस होगी और आपकी स्थिति पहले से मजबूत दिखाई देगी। सही समय पर सही निर्णय लेने की आपकी क्षमता आज आपके काफी काम आएगी। फिर भी किसी काम में लापरवाही न करें, क्योंकि छोटी चूक भी नुकसान का कारण बन सकती है। पूजा-पाठ और आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगेगा, जिससे मानसिक शांति मिलेगी। परिवार में अपने मन की बात मनवाने की जिद रिश्तों में तनाव पैदा कर सकती है। इसलिए आज थोड़ा नरम रवैया अपनाना आपके लिए बेहतर रहेगा।

वृश्चिक

आज जमीन-जायदाद और प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में अच्छे अवसर सामने आ सकते हैं। मेहनत का उचित परिणाम मिलने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। यदि कोई कानूनी मामला चल रहा है तो अनुभवी व्यक्ति या योग्य वकील की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा। खुद को आगे बढ़ाने और अपनी क्षमता साबित करने की इच्छा आज काफी मजबूत रहेगी। अपने काम पूरे करने में धैर्य और साहस बनाए रखें। पिता के साथ किसी बात को लेकर तनाव है तो बहस बढ़ाने के बजाय शांत बातचीत से समाधान निकालने की कोशिश करें।

धनु

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपका मान-सम्मान बढ़ सकता है। यदि नए वाहन के लिए लोन का आवेदन किया हुआ है, तो उससे जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है। जीवनसाथी की भावनाओं को समझना आज बहुत जरूरी रहेगा। आपकी छोटी-सी बात भी उन्हें बुरी लग सकती है और विवाद बढ़ सकता है, इसलिए बातचीत में संयम रखें। कार्यक्षेत्र में मनपसंद काम न मिलने से मन थोड़ा खिन्न रह सकता है। ऐसे में आप नौकरी बदलने या नए अवसर तलाशने के बारे में गंभीरता से सोच सकते हैं।

मकर

विद्यार्थियों के लिए आज का दिन उत्साह और खुशी देने वाला रहेगा। पुराने लेन-देन या पैसों से जुड़ी कोई उलझन सुलझने से राहत मिल सकती है। संतान के परीक्षा परिणाम से घर में खुशी और गर्व का माहौल बनेगा। पिता के साथ किसी महत्वपूर्ण काम या फैसले को लेकर चर्चा हो सकती है। माता-पिता का आशीर्वाद आपके रुके हुए काम को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों की प्रतिष्ठा और लोगों के बीच पकड़ मजबूत हो सकती है। हालांकि अपनी महत्वपूर्ण योजनाएं और निजी बातें हर किसी से साझा करने से बचें।

कुंभ

आज का दिन हल्के-फुल्के और खुशनुमा पलों से भरा रह सकता है। दोस्तों या अपनों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा, लेकिन दूसरों की परेशानियों में जरूरत से ज्यादा उलझने से बचें, वरना उनका तनाव आपके हिस्से भी आ सकता है। लंबे समय से अटका हुआ पैसा वापस मिलने से मन काफी खुश होगा। यदि किसी दूसरे व्यक्ति का वाहन चला रहे हैं तो विशेष सावधानी रखें। पुरानी गलतियों को दोहराने के बजाय उनसे सीख लेकर आगे बढ़ना ही समझदारी होगी। आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए कोई महत्वपूर्ण फैसला भी ले सकते हैं।

मीन

आज आपको हर कदम थोड़ा सोच-समझकर उठाने की जरूरत है। नौकरीपेशा लोगों को किसी अनजान व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना चाहिए। पैसों से जुड़ी निजी जानकारी किसी के साथ साझा न करें। सरकारी काम में थोड़ी देरी या परेशानी आ सकती है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। कोई विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन शांत रहकर स्थिति को अपने पक्ष में संभाला जा सकता है। संतान की ओर से कोई प्यारा सरप्राइज या उपहार मिलने से घर का माहौल खुशियों से भर जाएगा। माताजी से किया हुआ कोई वादा भी समय रहते पूरा करने की कोशिश करें।

Aaj Ka Love Rashifal

आज का लव राशिफल: मेष, कर्क और तुला राशि वाले रहें सावधान, प्रेम जीवन में हो सकता है मनमुटाव

Love Rashifal Today: 7 अक्टूबर 2026 को प्रेम और रिश्तों के मामले में ग्रहों की चाल का असर सभी राशियों पर अलग-अलग देखने को मिल सकता है। किसी के रिश्ते में प्यार बढ़ेगा तो किसी को बातचीत में संयम रखना होगा। जानें सभी 12 राशियों का आज का लव राशिफल।

Love Prediction: 7 अक्टूबर 2026 को प्रेम और रिश्तों के लिहाज से दिन उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है। ग्रहों की स्थिति का असर आपकी भावनाओं, पार्टनर के साथ बातचीत और रिश्ते में बढ़ती नजदीकियों पर दिखाई दे सकता है। कुछ राशियों के लिए आज का दिन प्यार भरे पलों और रिश्ते को मजबूत करने वाला रहेगा, जबकि कुछ लोगों को छोटी बातों को तूल देने से बचना होगा। जो लोग सिंगल हैं, उनके लिए किसी नए व्यक्ति से बातचीत शुरू होने या पुराने परिचित से दोबारा संपर्क होने के संकेत मिल सकते हैं। वहीं, प्रेम संबंध में चल रही गलतफहमियों को बातचीत के जरिए दूर करने का मौका भी मिल सकता है। आइए जानते हैं मेष से मीन तक सभी 12 राशियों के लिए 7 अक्टूबर का लव राशिफल क्या कहता है और आज प्रेम जीवन में किन बातों का ध्यान रखना आपके लिए बेहतर रहेगा।

शारदीय नवरात्रि 2026: 58 साल बाद नवरात्रि में दुर्लभ महासंयोग, गजकेसरी-शश राजयोग में पधारेंगी मां दुर्गा

शारदीय नवरात्रि 2026 इस बार बेहद खास मानी जा रही है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, करीब 58 साल बाद नवरात्रि के दौरान गजकेसरी और शश राजयोग का दुर्लभ संयोग बन रहा है। मान्यता है कि इस विशेष योग का प्रभाव नवरात्रि के धार्मिक महत्व को और बढ़ा सकता है।

शारदीय नवरात्रि हिंदू धर्म के प्रमुख पर्वों में शामिल है। इन नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा की जाती है। साल 2026 की नवरात्रि धार्मिक दृष्टि के साथ-साथ ज्योतिषीय नजरिए से भी खास बताई जा रही है। पंचांग के अनुसार, शारदीय नवरात्रि की शुरुआत रविवार, 11 अक्टूबर 2026 से होगी और महानवमी 19 अक्टूबर को मनाई जाएगी। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, नवरात्रि के आरंभ यानी घटस्थापना के समय कई शुभ ग्रह-नक्षत्रीय संयोग बन रहे हैं। इनमें हस्त नक्षत्र, शुक्ल योग और गजकेसरी योग का संयोग प्रमुख बताया जा रहा है। वहीं नवरात्रि के दौरान शनि की स्थिति से शश राजयोग बनने की बात भी कही जा रही है। इसी वजह से इस बार की नवरात्रि को विशेष ज्योतिषीय संयोगों वाली माना जा रहा है।

58 साल बाद नवरात्रि की शुरुआत में गजकेसरी योग

नवरात्रि के पहले दिन सूर्योदय के समय हस्त नक्षत्र और शुक्ल योग का प्रभाव रहेगा। इसी दौरान गुरु और चंद्रमा की स्थिति से गजकेसरी योग बनने की बात कही जा रही है। ज्योतिष में गुरु और चंद्रमा के केंद्र संबंध से बनने वाले गजकेसरी योग को शुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार, इसका संबंध ज्ञान, बुद्धिमत्ता, सम्मान, समृद्धि और बेहतर निर्णय क्षमता से जोड़ा जाता है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, नवरात्रि की शुरुआत में नक्षत्र, वार और योग का ऐसा संयोजन लंबे अंतराल के बाद बन रहा है। इसे करीब 58 साल बाद बनने वाला दुर्लभ संयोग बताया जा रहा है। यही वजह है कि इस बार घटस्थापना का दिन ज्योतिषीय दृष्टि से खास माना जा रहा है।

करीब 30 साल बाद शश राजयोग का संयोग

नवरात्रि के दौरान सिर्फ गजकेसरी योग ही चर्चा में नहीं है। इस बार शनि की स्थिति भी विशेष बताई जा रही है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, शनि अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ में स्थित हैं। शनि की इस स्थिति से बनने वाला शश राजयोग पंच महापुरुष योगों में शामिल माना जाता है। ज्योतिष में इसे अनुशासन, मेहनत, स्थिरता, जिम्मेदारी और न्याय से जुड़ा हुआ माना जाता है। मान्यता के अनुसार, करीब 30 साल बाद नवरात्रि के दौरान शनि की ऐसी स्थिति देखने को मिल रही है। ऐसे में इस योग को भी नवरात्रि के विशेष ज्योतिषीय संयोगों में गिना जा रहा है।

गुरु अश्लेषा नक्षत्र में करेंगे प्रवेश, इन 3 राशियों को धन और करियर के मामले में रहना होगा सावधान

8 अक्टूबर 2026 को देवगुरु बृहस्पति अश्लेषा नक्षत्र में प्रवेश करने जा रहे हैं। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, गुरु के इस नक्षत्र परिवर्तन का असर सभी राशियों पर पड़ेगा, लेकिन 3 राशियों के जातकों को इस दौरान विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

वैदिक ज्योतिष में देवगुरु बृहस्पति को ज्ञान, धर्म, भाग्य, संतान और विस्तार का कारक ग्रह माना जाता है। गुरु की स्थिति में होने वाला परिवर्तन ज्योतिषीय दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। 8 अक्टूबर 2026 को बृहस्पति अश्लेषा नक्षत्र के चौथे चरण में प्रवेश करेंगे। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, गुरु के इस नक्षत्र परिवर्तन का प्रभाव सभी राशियों पर अलग-अलग पड़ सकता है। हालांकि, कुछ राशियों के लिए यह अवधि अपेक्षाकृत चुनौतीपूर्ण रह सकती है। विशेष रूप से धन और करियर से जुड़े मामलों में सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। इस दौरान बिना पूरी जानकारी के निवेश करने, बड़ा आर्थिक जोखिम लेने या किसी को जल्दबाजी में पैसा उधार देने से बचना बेहतर माना जा रहा है। आइए जानते हैं किन तीन राशियों को गुरु के नक्षत्र परिवर्तन के दौरान सतर्क रहने की जरूरत पड़ सकती है।

मिथुन राशि

मिथुन राशि के जातकों के लिए गुरु का अश्लेषा नक्षत्र में प्रवेश कार्यक्षेत्र में कुछ उतार-चढ़ाव लेकर आ सकता है। ऑफिस में सहकर्मियों के साथ मतभेद या किसी बात को लेकर बहस की स्थिति बन सकती है। काम में रुकावट के कारण प्रमोशन या जिम्मेदारी बढ़ने से जुड़े मामलों में देरी भी संभव है। कारोबार करने वाले लोगों को इस दौरान बड़े फैसले लेते समय अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। नया बिजनेस शुरू करने या किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने से पहले सभी पहलुओं की अच्छी तरह जांच करें। आर्थिक मामलों में लापरवाही नुकसान पहुंचा सकती है। किसी को उधार देने से पहले उसकी वापसी की स्थिति और अपनी आर्थिक क्षमता पर जरूर विचार करें।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के सामने खिताब बचाने की चुनौती

भारतीय महिला हॉकी टीम ने स्वर्ण जीतकर एशियन गेम्स में अपने अभियान का अंत शानदार तरीके से किया। अब पुरुष हॉकी टीम के पास लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीतने का मौका है। पुरुष हॉकी टीम का फाइनल में सामना मलयेशिया से है। भारत को हॉकी में एक और स्वर्ण की उम्मीद होगी।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम को मलयेशिया के खिलाफ एशियन गेम्स के फाइनल में शनिवार को अपना खिताब बरकरार रखने और लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का टिकट कटाने के लिए गलतियों से सबक लेकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम ने कभी लगातार दो एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक नहीं जीता है और उसके पास शनिवार को यह कामयाबी हासिल करके भारतीय हॉकी का सुनहरा अध्याय लिखने का मौका है।

पिछली गलतियों से बचना होगा

सेमीफाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ लचर प्रदर्शन के बाद अब मलयेशिया के खिलाफ उन गलतियों को दोहराने से बचना होगा। पाकिस्तान के खिलाफ 23वें मिनट तक तीन गोल की बढ़त बनाने के बाद भारत ने दूसरे हाफ में तीन गोल गंवा दिए और आखिरी सीटी बजने से 49 सेकेंड पहले अभिषेक के गोल के दम पर 4-3 से मिली जीत से फाइनल में जगह बनाई।

डिफेंस रखना होगा मजबूत

पिछली बार की चैंपियन भारतीय टीम को डिफेंस मजबूत रखना होगा। डिफेंस के चरमराने से ही पाकिस्तानी टीम का वापसी का मौका मिला था। सेमीफाइनल और फाइनल के बीच एक ही दिन का अंतर होने से रिकवरी भी अहम होगी। दूसरी ओर मलयेशिया ने दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। पिछले तीन बार में मलयेशिया दूसरी बार फाइनल में पहुंचा है।

भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा, मलयेशिया ने अच्छा प्रदर्शन किया है और यह मुकाबला अच्छा रहेगा। हमने काफी समय से मलयेशिया से खेला नहीं है। दोनों टीमें आक्रामक खेलती हैं और खिलाड़ियों के पास हुनर के साथ रफ्तार भी है। हम सिर्फ अपनी रणनीति पर फोकस करना चाहते हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने स्वर्ण जीतकर एशियन गेम्स में अपने अभियान का अंत शानदार तरीके से किया। अब पुरुष हॉकी टीम के पास लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीतने का मौका है। पुरुष हॉकी टीम का फाइनल में सामना मलयेशिया से है। भारत को हॉकी में एक और स्वर्ण की उम्मीद होगी।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम को मलयेशिया के खिलाफ एशियन गेम्स के फाइनल में शनिवार को अपना खिताब बरकरार रखने और लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का टिकट कटाने के लिए गलतियों से सबक लेकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम ने कभी लगातार दो एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक नहीं जीता है और उसके पास शनिवार को यह कामयाबी हासिल करके भारतीय हॉकी का सुनहरा अध्याय लिखने का मौका है।

पिछली गलतियों से बचना होगा

सेमीफाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ लचर प्रदर्शन के बाद अब मलयेशिया के खिलाफ उन गलतियों को दोहराने से बचना होगा। पाकिस्तान के खिलाफ 23वें मिनट तक तीन गोल की बढ़त बनाने के बाद भारत ने दूसरे हाफ में तीन गोल गंवा दिए और आखिरी सीटी बजने से 49 सेकेंड पहले अभिषेक के गोल के दम पर 4-3 से मिली जीत से फाइनल में जगह बनाई।

डिफेंस रखना होगा मजबूत

पिछली बार की चैंपियन भारतीय टीम को डिफेंस मजबूत रखना होगा। डिफेंस के चरमराने से ही पाकिस्तानी टीम का वापसी का मौका मिला था। सेमीफाइनल और फाइनल के बीच एक ही दिन का अंतर होने से रिकवरी भी अहम होगी। दूसरी ओर मलयेशिया ने दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। पिछले तीन बार में मलयेशिया दूसरी बार फाइनल में पहुंचा है।

95 पर भारत को छठा झटका, शिवम दुबे 15 गेंद पर 27 रन बनाकर आउट

IND vs PAK Live Score: भारत को छठा झटका

भारत को 195 के स्कोर पर छठा झटका लगा। शिवम दुबे को अहमद दानियाल ने सदाकत के हाथों कैच कराया। वह 15 गेंद में दो चौके और दो छक्के की मदद से 27 रन बनाकर आउट हुए। फिलहाल अक्षर पटेल और तिलक वर्मा क्रीज पर हैं।

IND vs PAK Live Score: तिलक ने बरसाए छक्के

18 ओवर के बाद भारत ने पांच विकेट पर 172 रन बना लिए हैं। तिलक वर्मा 16 गेंद में 30 रन और दुबे 10 रन बनाकर क्रीज पर हैं। 18वें ओवर में सुफियान मुकीम की आखिरी दो गेंद पर तिलक ने छक्के लगाए।

IND vs PAK Live Score: 17 ओवर का खेल हुआ

17 ओवर के बाद भारत ने पांच विकेट गंवाकर 154 रन बना लिए हैं। फिलहाल शिवम दुबे नौ रन और तिलक वर्मा 13 रन बनाकर क्रीज पर हैं। इन दोनों के बीच 20 से ज्यादा रन की साझेदारी हो चुकी है।

IND vs PAK Live Score: भारत को पांचवां झटका

भारत को 15वें ओवर में 133 के स्कोर पर पांचवां झटका लगा। कप्तान श्रेयस अय्यर 24 गेंद में 21 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में दो चौके लगाए। फिलहाल उपकप्तान तिलक वर्मा और शिवम दुबे क्रीज पर हैं। 15 ओवर के बाद भारत का स्कोर पांच विकेट पर 137 रन है। भारत का स्कोर एक विकेट तीन विकेट पर 128 रन था। इसके बाद 128 के स्कोर पर चौथा और 133 के स्कोर पर पांचवां झटका लगा। पांच रन बनाने के बीच में भारत ने ईशान किशन और श्रेयस के विकेट गंवा दिए। श्रेयस और ईशान के बीच 32 गेंद में 35 रन की साझेदारी हुई।

भारत vs वेस्टइंडीज: क्या धोनी की इस सलाह ने कप्तान शाई होप को बना दिया हीरो? अपनी टीम को क्लीन स्वीप से बचाया

भारत के खिलाफ तीसरे वनडे में वेस्टइंडीज ने 352 रन का लक्ष्य पांच विकेट से हासिल कर इतिहास रच दिया। शाई होप ने नाबाद 162 रन की पारी खेली। मैच के बाद उन्होंने बताया कि एमएस धोनी की एक सलाह ने उन्हें दबाव में धैर्य बनाए रखने और लक्ष्य को छोटे हिस्सों में बांटकर हासिल करने में मदद की।

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने भारत के खिलाफ तीसरे वनडे में ऐसी पारी खेली, जिसने उनकी टीम को ऐतिहासिक जीत दिला दी। भारत ने 351/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया था। जवाब में वेस्टइंडीज ने 48.2 ओवर में पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। होप 143 गेंदों पर 162 रन बनाकर नाबाद रहे।

मैच के बाद होप ने बताया कि भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी की कही एक बात उन्हें इस मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते समय याद आ रही थी। होप ने कहा कि धोनी ने उनसे कहा था कि उनके पास जितना वह सोचते हैं, उससे ज्यादा समय होता है। होप ने कहा, 'मेरी महान खिलाड़ी एमएस धोनी के साथ अच्छी बातचीत हुई थी। उन्होंने मुझसे कहा था कि आपके पास हमेशा उतना समय होता है, जितना आप सोचते हैं उससे ज्यादा। इसलिए हमने लक्ष्य को छोटे हिस्सों में बांटने की कोशिश की।'

352 रन के लक्ष्य का दबाव नहीं आने दिया

वेस्टइंडीज की शुरुआत लक्ष्य के लिहाज से आसान नहीं थी। टीम के कुछ प्रमुख बल्लेबाज उपलब्ध नहीं थे और होप को 50 ओवर तक विकेटकीपिंग करने के बाद पारी की शुरुआत भी करनी पड़ी। इसके बावजूद उन्होंने धैर्य नहीं खोया। होप ने बताया कि उन्हें ग्रोइन के आसपास परेशानी भी महसूस हुई, लेकिन उन्होंने अंत तक लड़ने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि भारत को ओवर रेट की वजह से फील्डरों को अंदर लाना पड़ सकता था और इसी बात को ध्यान में रखते हुए उन्होंने धैर्य बनाए रखा। अमीर जांगू ने 67 रन और कीमो पॉल ने 44 रन की उपयोगी पारी खेली। वहीं होप ने नाबाद 162 रन बनाकर वेस्टइंडीज को लक्ष्य तक पहुंचाया। यह वनडे में वेस्टइंडीज का सबसे बड़ा सफल रन चेज भी रहा।

भारत ने पहले खड़ा किया था 351 रन का स्कोर

इससे पहले भारत ने 50 ओवर में 351/7 रन बनाए थे। केएल राहुल ने नाबाद 129 रन की शानदार पारी खेली। रोहित शर्मा ने 92 और ऋतुराज गायकवाड़ ने 57 रन बनाए। भारत के विशाल स्कोर के बाद वेस्टइंडीज की जीत की उम्मीद कम ही नजर आ रही थी, लेकिन होप ने पूरी तस्वीर बदल दी। भारत पहले ही तीन मैचों की सीरीज के शुरुआती दोनों मुकाबले जीतकर सीरीज अपने नाम कर चुका था। इसलिए तीसरे वनडे में वेस्टइंडीज की जीत उसके लिए सांत्वना जीत रही, लेकिन इस प्रदर्शन ने टीम को आगामी मुकाबलों के लिए बड़ा आत्मविश्वास दिया।

गिल ने फील्डिंग और डेथ बॉलिंग पर जताई चिंता

भारत के कप्तान शुभमन गिल ने हार के बाद टीम की कुछ कमजोरियों को स्वीकार किया। उन्होंने खास तौर पर फील्डिंग और डेथ ओवर की गेंदबाजी को लेकर चिंता जताई। गिल ने कहा, 'हमने करीब छह-सात कैच छोड़े। यह अच्छा संकेत नहीं है, खासकर विश्व कप से पहले।' उन्होंने डेथ ओवर में रणनीति को लेकर भी सुधार की जरूरत बताई। गिल ने कहा, 'हमें अपनी डेथ बॉलिंग पर काम करना होगा। हमें यह स्पष्ट नहीं है कि हम आक्रमण कर रहे हैं या बचाव। डेथ ओवर में फील्डिंग को लेकर भी हमें स्पष्टता हासिल करनी होगी।' भारत ने इससे पहले दूसरे वनडे में 400 से ज्यादा रन दिए थे, हालांकि वह मुकाबला जीतने में सफल रहा था। तीसरे वनडे में भी गेंदबाजी और फील्डिंग की कमियों ने टीम को मुश्किल में डाल दिया। दूसरी ओर, होप की पारी ने वेस्टइंडीज को भारत के खिलाफ यादगार जीत दिला दी।

ब्राजील की टीम कोलकाता पहुंची: पहली बार भारत से खेलेगी अंतरराष्ट्रीय मैच

भारत और ब्राजील के बीच कोलकाता में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबला खेला जाएगा। इसके लिए ब्राजील की टीम कोलकाता पहुंच गई है। यह पहली बार होगा जब ब्राजील की टीम भारत के खिलाफ मैच खेलेगी।

भारतीय फुटबॉल टीम अभी तक के अपने सबसे बड़े मुकाबले में शनिवार को जब पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील के खिलाफ प्रतिष्ठित सॉल्ट लेक स्टेडियम में मैत्री मैच खेलने के लिए उतरेगी तो वह बिना किसी दबाव के अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलने की कोशिश करेगी। कई स्टार खिलाड़ियों से सजी और विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज ब्राजील पहली बार भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगा। उसकी टीम में रियाल मैड्रिड के फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर, आर्सेनल के डिफेंडर गैब्रियल मैगाल्हेस, मिडफील्डर ब्रूनो गुइमारेस और अनुभवी मार्क्विनहोस शामिल हैं।

कोलकाता में ब्राजील का है बड़ा फैन बेस

ब्राजील की टीम ऐसे शहर पहुंची है जहां उनकी पीली जर्सी के दीवानों की कमी नहीं है। विश्व कप के दौरान यह शहर ब्राजील और अर्जेंटीना की जर्सी रंग से पटा रहता है। कागजों पर भले ही यह मुकाबला बेमेल नजर आ रहा हो लेकिन 138वें स्थान पर काबिज भारत के लिए अपनी प्रगति को परखने का यह शानदार मौका है। भारतीय टीम कभी भी विश्व कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई है और वह सऊदी अरब में होने वाले 2027 एशियाई कप के लिए भी क्वालिफाई करने में असफल रही है जिससे पता चलता है कि एशिया की मजबूत टीमों और भारत के बीच भी बड़ा अंतर है।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को सहर्ष प्रकाशित किया जाएगा।
- सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक निर्भय कुमार सेंगर के लिए 'प्लेनेट न्यूज इंडिया' प्रेस से छपवाकर, बी-9, मालवी भवन, विक्रम कॉलोनी, स्वास्तिक पेट्रोल पंप के पास, रामघाट रोड, अलीगढ़ (उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300